सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 87 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 09 जनवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

एंबुलेंस न मिलने पर मरीज को खाट पर ढोया

सुकमा। जिले के जगरगुंडा क्षेत्र से सामने आई एक तस्वीर ने एक बार फिर सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं की पोल खोल दी है। कोंटा विकासखंड के कर्रेपारा ग्राम का है। यहां के निवासी कुंजाम हुर्रा द्वारा जहरीले पदार्थ का सेवन करने के बाद उनकी हालत गंभीर हो गई। परिजनों और ग्रामीणों ने तत्काल एंबुलेंस सेवा की उम्मीद की, लेकिन समय पर कोई मदद नहीं मिल सकी। मजबूरी में कर्रेपारा गांव तक सड़क सुविधा न होने के कारण, ग्रामीणों ने कुंजाम हुर्रा को लगभग दो किलोमीटर तक खाट पर उठाकर कोंडासावंली तक पहुंचाया। इस दौरान ऊबड़-खाबड़ रास्तों से गुजरते हुए मरीज की हालत और बिगड़ने का खतरा बना रहा।

रसूखदारों के 6500 करोड़ बकाया, जनता पर सख्ती

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मंत्री, सांसद, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और सरकारी संस्थान बिजली बिल नहीं चुका रहे हैं। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में दावा किया है कि रसूखदारों और संस्थाओं पर करीब 6500 करोड़ रुपए का बिजली बिल बकाया है। सत्ता और सिस्टम में बैठे लोग बिल नहीं भरते और आम जनता से पूरी सख्ती से वसूल की जा रही है। कांग्रेस ने पूछा है क्या दोनों के लिए अलग-अलग नियम हैं।

भाजपा किसान मोर्चा के महामंत्री बने राकेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा ने किसान मोर्चा की नई टीम का एलान किया है। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव की सहमति से जारी इस सूची में बिलासपुर के राकेश तिवारी को प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। वहीं, मस्तूरी के बीपी सिंह को प्रदेश प्रवक्ता बनाकर पार्टी ने साफकर दिया है कि वह किसानों के मुद्दों पर अब और आक्रामक तरीके से अपनी बात रखेगी। बीपी सिंह इससे पहले मस्तूरी में विधायक प्रतिनिधि और विधानसभा संयोजक के तौर पर जमीन पर काफी सक्रिय रहे हैं।

राजकोट में 12 घंटे में 7 भूकंप, स्कूलों में छुट्टी

राजकोट। गुजरात के राजकोट में पिछले 24 घंटे में भूकंप के 7 झटके महसूस किए गए। झटके हल्के थे जिससे किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक इन झटकों की तीव्रता 2.7 से 3.8 के बीच दर्ज की गई। एहतियात के तौर पर आसपास के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। भूकंप का केंद्र उपलेटा से 28 किमी दूर दर्ज किया गया।

राज्यपाल को बम से उड़ाने की धमकी: आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस को गुरुवार देर रात ई-मेल के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई। ई-मेल में राज्यपाल को बम से उड़ाने की बात लिखी थी। पुलिस ने कुछ ही घंटे में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को कोलकाता के पास सॉल्ट लेक इलाके से पकड़ा गया है। उससे पूछताछ की जा रही है कि उसने धमकी क्यों दी और इसके पीछे क्या साजिश हो सकती है।

छत्तीसगढ़ के चार जिलों में खुलेंगे 12 नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 144 पदों की मिली स्वीकृति

■ एक चिकित्सा अधिकारी समेत प्रत्येक केंद्र में 12 मेडिकल स्टाफ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ अलग अलग जिलों में 12 नए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोले जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की पहल पर बड़ा निर्णय लेते हुए स्वीकृति दी गई है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के मुख्य बजट के प्रावधान अनुसार नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की घोषणा की गई थी। घोषणा के अनुसार स्वास्थ्य विभाग ने आदेश जारी करते हुए नगर निगम चिरमिरी के कोरिया कालरी, खड़गवां जनपद के ग्राम पंचायत जरौंधा, कोंडागांव विकासखंड के ग्राम गोलावंड, बैकुंठपुर विकासखंड के ग्राम मुरमा, कोरिया जिले के ग्राम सकरिया, राजपुर विकासखंड के ग्राम सेवारी,

विकासखंड दरभा के ग्राम पोड़ागुड़ा तथा ग्राम चिंतापुर, दुलदुला विकासखंड के ग्राम करडेगा, विकासखंड फरसाबहार के ग्राम पेटामारा (अकीरा) तथा ग्राम गंझियाडीह और विकासखंड कुनकुरी के ग्राम केराडीह में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने के लिए नवीन पदों की स्वीकृति दी गई है।

आदेश के अनुसार प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र में एक चिकित्सा अधिकारी, एक ग्रामीण चिकित्सा सहायक, एक फर्मासिस्ट ग्रेड 2, एक महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, 3 स्टाफ नर्स, एक लैब टेक्निशियन, एक सहायक ग्रेड 3, 1 वार्ड बॉय और 2 आया का पद शामिल है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि नए स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना से लोगों को ग्रामीण स्तर पर भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी।

52 हफ्ते 52 सुधार करेगा भारतीय रेलवे सुरक्षा व खानपान पर रहेगा फोकस

रेलमंत्री अश्विणी वैष्णव ने राज्यमंत्रियों व शीर्ष अधिकारियों से की चर्चा

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे यात्रियों के लिए अत्यधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और भरोसेमंद बनने की दिशा में तेज कदम बढ़ा रहा है। नए साल में सर्वोच्च प्राथमिकता यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा पर होगी। इसी सिलसिले में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को रेल भवन में राज्य मंत्रियों एवं शीर्ष अधिकारियों के साथ विमर्श किया।

इस दौरान इसमें चालू वर्ष के 52 सप्ताह में 52 बड़े सुधार का संकल्प लिया गया, यानी हर सप्ताह एक ठोस सुधार लागू करने का लक्ष्य रखा गया। इसका सीधा फायदा रेल यात्रियों को मिलेगा। इससे काम करने की रफ्तार बढ़ेगी, व्यवस्था पारदर्शी होगी और सेवाएं समय पर मिलेंगी।

सुरक्षा को लेकर बीते वर्षों में बड़े सुधार

रेलवे में सुरक्षा को लेकर बीते वर्षों में बड़ा सुधार हुआ है। वर्ष 2014-15 में जहां गंभीर रेल दुर्घटनाओं की संख्या 135 थी, वह 2025-26 में घटकर सिर्फ 11 रह गई है। यह लगभग 90 प्रतिशत की कमी है। रेल मंत्रियों ने अधिकारियों को अब इसे लेकर नया लक्ष्य दिया और कहा है कि रेलवे में प्रत्येक स्तर पर इतनी सतर्कता बरती जाए कि दुर्घटनाओं को शून्य पर लाया जा सके। इसका मतलब है कि ट्रेन यात्रा पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित होगी। रेलवे ने आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का तेजी से इस्तेमाल करने का भी संकल्प लिया है।

खान-पान और यात्री सेवाओं में सुधार होंगे

इसका सीधा लाभ लंबी दूरी के यात्रियों को मिलेगा। बैठक में अधिकारियों ने अपने क्षेत्र के अनुभव साझा किए और ढांचे के विकास, रखरखाव और क्षमता बढ़ाने के कार्यों की समीक्षा की गई। रेल मंत्रालय ने साफकिया कि सुधार, सुरक्षा, तकनीक और यात्रियों की सुविधा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

रेल दुर्घटनाओं को शून्य पर लाने का नया लक्ष्य

इससे पटरियों की जांच, ट्रेनों का रखरखाव और संचालन पहले से बेहतर होगा। समय पर खराबी पकड़ में आएगी और यात्रियों को देरी या असुविधा कम झेलनी पड़ेगी। रेल मंत्री का जोर अच्छी सेवा के लिए कर्मचारियों के प्रशिक्षण पर भी है। उन्होंने कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाने, नई ट्रेनिंग व्यवस्था और हुनर विकास के नए तरीकों पर चर्चा की। इससे स्टेशन से लेकर ट्रेन तक यात्रियों से बेहतर व्यवहार और तेज सेवा मिलेगी। रेलवे के पास एक बड़ी शिकायत खान-पान को लेकर भी आती है। अश्विनी वैष्णव ने ट्रेनों में भोजन की गुणवत्ता, कैटरिंग और ट्रेन में मिलने वाली अन्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए बड़े सुधारों का फैसला लिया है। इस दौरान रेल राज्यमंत्री वी. सोमन्ना और रवनीत सिंह बिट्टू समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

वाल्व प्रत्यारोपण के दौरान बंद हुईं हृदय की नसें, स्टेंट से चिमनी बनाकर बचाई मरीज की जान

■ अम्बेडकर अस्पताल के एडवांस कार्डियक केयर की टीम का कमाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के एडवांस्ड कार्डियक इंस्टिट्यूट ने नववर्ष 2026 की शुरुआत एक ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ की है। कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव ने बताया कि नए वर्ष में विभाग ने एक अत्यंत जटिल ट्रांसकैथेटर ऑर्टिक वाल्व प्रत्यारोपण प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपादित किया। रायपुर निवासी एक बुजुर्ग महिला लंबे समय से सांस फूलने एवं हार्ट फेलियर से पीड़ित थीं। जांच में सामने आया कि उनका ऑर्टिक वाल्व पूरी तरह कैल्शियम से कठोर हो चुका था, और हृदय की पंपिंग क्षमता मात्र 20 प्रतिशत रह गई थी।

डॉ. श्रीवास्तव के अनुसार, इस अवस्था में ओपन हार्ट सर्जरी अत्यंत जोखिमपूर्ण एवं लगभग असंभव थी। ऐसे में डॉ. स्मित श्रीवास्तव के नेतृत्व में कार्डियोलॉजी विभाग की टीम और कार्डियक सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू के नेतृत्व में संयुक्त रूप से 'हार्ट टीम' का गठन कर बिना चीर-फाड़ के पैर की नस के माध्यम से वाल्व प्रत्यारोपण का निर्णय लिया गया। प्रक्रिया की तैयारी एक माह पूर्व विशेष सीटी स्कैन विश्लेषण एवं मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत वित्तीय स्वीकृति के साथ शुरू हुई। जांच में यह भी पाया गया कि मरीज की पैर की नसें पतली एवं कैल्शियम युक्त थीं, जिससे वाल्व डिलीवरी सिस्टम को हृदय तक पहुंचाना अत्यंत चुनौतीपूर्ण था। जिससे वाल्व प्रत्यारोपण के दौरान दोनों धमनियों के बंद होने का गंभीर खतरा था।

इस जटिलता से निपटने के लिए विशेषज्ञों ने दोनों कोरोनरी धमनियों में स्टेंट डालकर उनके और वाल्व के बीच चिमनी संरचना तैयार की। प्रक्रिया के अंतिम चरण में वाल्व डिलीवरी के दौरान बाएं पैर की नस में ब्लॉकेज उत्पन्न हो गया, जिसे दाहिने पैर के रास्ते तत्काल बलून एंजियोप्लास्टी कर रक्त प्रवाह पुन: स्थापित किया गया। लगभग चार घंटे चली इस जटिल प्रक्रिया के पश्चात ऑपरेशन टेबल पर ही मरीज के ऑर्टिक वाल्व का प्रेशर 80 से घटकर शून्य हो गया और हृदय की पंपिंग बढ़कर 60 प्रतिशत हो गई।

अस्पताल अधीक्षक प्रो. डॉ. संतोष सोनकर ने इस जटिलतम प्रक्रिया के लिए सभी आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए कार्डियोलॉजी टीम को बधाई दी। यह प्रक्रिया डॉ. स्मित श्रीवास्तव के नेतृत्व में डॉ. शिवकुमार शर्मा, डॉ. कुणाल ओस्तवाल, डॉ. प्रतीक गुप्ता, डॉ. सौम्या, डॉ. वैभव एवं डॉ. प्रिंस द्वारा संपन्न की गई।

छत्तीसगढ़ के 18 जिलों में शीतलहर का अलर्ट, हिमालय की हवाएं बढ़ा रही ठंड

रायपुर। हिमालय से आ रहीं ठंडी हवाओं से छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। कई शहरों में तापमान सामान्य से कम चला गया है। सरगुजा संभाग में ठंड का असर ज्यादा है। बलरामपुर के रामानुजगंज में पैरावट पर ओस की बूंदें जमकर बर्फ बनने लगी है। यहां रात का तापमान 1 से 2 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले 2 दिनों में प्रदेश के उत्तरी और मध्य हिस्से में ठंड और बढ़ेगी। विभाग ने 18 जिलों में कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया है। बता दें कि पिछले 28 दिनों में राज्य में ठंड से 3 मौत हो चुकी है। वहीं पिछले 24 घंटे की बात करें तो प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री दुर्ग में दर्ज किया गया। सबसे कम न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया।

रायपुर रेलवे स्टेशन शुरू हुआ स्वस्थ्य वेटिंग लॉन्ज

■ एसईसीएल के दीपका खदान में हादसा, सिर पर गिरा पत्थर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में रायपुर स्टेशन पर पहली बार स्वस्थ वेटिंग लाउंज की सुविधा यात्रियों को मिलने जा रही है।भारतीय रेलवे में नई, अभिनव गैर-किराया राजस्व विचार योजना के तहत इसकी प्लानिंग की गई है। गुरुवार को इस सुविधा का शुभारंभ रायपुर से बड़ोदरा जा रहे यात्री चंद्रकांत बलावंत और

रायपुर से उज्जैन जा रही दो लड़कियां ओजस्वी एवं आरुषि ने किया।

स्वस्थ वेटिंग लाउंज शुरू होने से यात्रियों को ट्रेनों का इंतजार करते समय आरामदायक सुविधा मिलेगी जिससे यात्री योगा मेडिटेशन, मिनी फिटनेस, आरामदायक सोफा, प्रीमियम रीक्लिनर मसाज सोफा, यात्रियों को शुल्क बेसिस पर एंबुलेंस की सुविधा, हेल्दी फूड जो की मिलेट्स आधारित होंगे, सामान्य स्वस्थ जांच यात्री कर सकेंगे, अपना वेट, बीपी जांच, महिला एवं पुरुष के लिए अलग-अलग बाथरूम एवं टॉयलेट की सुविधा। लाइट एक्सरसाइज इक्विपमेंट, मोबाइल लैपटॉप चार्जिंग की सुविधा, लाइव ट्रेन इनफॉरमेशन डिस्प्ले, फ्री हाई स्पीड वाय-फाई एक्सेस इत्यादि की सुविधा यात्रियों को मिलेगी। आरामदायक सीटें और शांत वातावरण यात्रियों को आराम करने, योगा या मेडिटेशन के लिए जगह होने से यात्री अपने मानसिक स्वास्थ्य लाभ पा सकेंगे।

दंतेवाड़ा जिले के 33 कॉमन सर्विस सेंटर बंद

■ सीएससी मुख्यालय दिल्ली की सख्त कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दंतेवाड़ा जिले में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के संचालन में निर्धारित नियमों का पालन न करने पर सीएससी मुख्यालय दिल्ली ने बड़ी कार्रवाई की है। जिले के 33 सीएससी की पहचान संख्या (आईडी) को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है।

जांच के दौरान पाया गया कि कई कॉमन सर्विस सेंटर बिना स्थायी केंद्र के

संचालित हो रहे थे। कुछ केंद्रों में निर्धारित कॉमन ब्रांडिंग नहीं थी या बैनर बिना फ्रेम के लगाए गए थे। कई स्थानों पर दर सूची (रेट चार्ट) भी प्रदर्शित नहीं की गई थी। इसके अलावा, कुछ ग्राम स्तरीय उद्यमी (व्हीएलई) अपनी अधिकृत सीएससी पहचान संख्या की बजाय अन्य माध्यमों से लेन-देन कर रहे थे, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। सीएससी मुख्यालय ने कहा कि नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए यह सख्ती आगे भी जारी रहेगी। आने वाले दिनों में जिला प्रशासन और सीएससी टीम द्वारा पुन: निरीक्षण किया जाएगा। यदि अन्य केंद्रों में भी अनियमितताएं मिलीं, तो उनकी पहचान संख्या भी रद्द की जा सकती है। जिन व्हीएलई की आईडी बंद की गई है, उन्हें निर्देश दिया गया है कि निर्धारित ब्रांडिंग लगाएँ, दर सूची प्रदर्शित करें और स्थायी केंद्र से संचालन सुनिश्चित करें। सभी लेन-देन केवल अपनी अधिकृत सीएससी आईडी से करें।

डेंटल कॉलेज मेस के खाने में निकला मेंढक

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले के सुंदरा स्थित छत्तीसगढ़ डेंटल कॉलेज के मेस में छात्रों को परोसे गए खाने में मेंढक मिलने का मामला सामने आया है। घटना 7 जनवरी की है। रात के समय स्टूडेंट मेस में डिनर करने पहुंचे थे, तभी एक स्टूडेंट के खाने की थाली से मरा हुआ मेंढक निकला।

मामला लालबाग ग्रामीण थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि मूंग

की दाल में मेंढक पूरा पक गया था। शिकायत के बाद फूड एवं सेफ्टी विभाग मौके पर पहुंची तो देखा कि थाली में चावल में इल्ली-कीड़ा भी मरा पड़ा था, मेस में साफसफाई की कमी थी और अनाज एक्सपायरी डेट का इस्तेमाल हो रहा था। छात्रों की शिकायत के बाद फूड एवं सेफ्टी विभाग ने मेस का अचानक निरीक्षण किया। इस दौरान मेस में कई एक्सपायरी खाद्य सामग्री भी पाई गई। विभाग ने स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों में गंभीर खामियां पाए जाने पर मेस का संचालन करने वाली संस्था को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। छत्तीसगढ़ डेंटल कॉलेज के डीन डॉक्टर एसके नंदा ने बताया कि मेस में परोसे गए भोजन में मृत मेंढक मिलने की शिकायत की जांच की जा रही है।

सिपहिया पे कोतवाल, भरोसा किसी का नहीं

भरोसा बड़ी चीज है। सरकार के पास इसी एक चीज की किल्लत है। भले ही लगे कि महकमा ऊपर से नीचे आता है पर हकीकत उलट है। नीचे से देखो तो मूल काम सिपाही करता है। उसके ऊपर हवलदार और उससे भी ऊपर कोतवाल होता है। सबसे ऊपर कप्तान और उसके ऊपर आईजी और डीजीपी। अब तक होता यही था था कि ऊपर वाले निर्देश देते थे और नीचे वाले पालन करते थे। सभी सरकारी विभागों में ऐसा ही होता था। पर अब सरकार को पता है कि कर्मचारी हो या अधिकारी कामचोर कोई भी हो सकता है। इसलिए जब भिलाई नगर निगम को गौठानों की चिंता हुई तो उन्होंने वहां अफसरों की ड्यूटी लगा दी। आदेश दिया गया कि अब से अधिकारी स्वयं गौठान जाएंगे और गौवंश की सेवा करेंगे। पर बड़े साहब को भी पता है कि आदेश निर्देश देना एक बात है और काम करवाना दूसरी बात। लिहाजा उन्होंने अधिकारियों से कह दिया का अपना-अपना सेवा दिवस खुद तय कर लें। गौठान जाएं और गायों की सेवा करें। उनके चारे से लेकर इलाज का प्रबंध करें अथवा करवाएं। आपने वाकई ऐसा किया है या नहीं इसकी रिपोर्टिंग भी करें। इसके लिए ज्यादा कुछ नहीं करना है केवल गायों की सेवा करते हुए फोटो खिंचवाना है और उसे ग्रुप में अपलोड करना है। इसमें भी चोरी होती है। इसलिए आदेश दिया गया कि फोटो में जियोटैग भी होना चाहिए। वैसे कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को जांच की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है पर ज्यादा भरोसा उनका भी नहीं है। लिहाजा जियोटैग को ही फाइनल समझा जाए। पिछले कुछ वर्षों से स्कूल कालेजों में भी यही परिपाटी चली आ रही है। उन्हें प्रत्येक कार्यक्रम की जियोटैग फोटो खींचकर भेजना होता है। अर्थात भरोसा शिक्षकों का भी नहीं है। क्या पता कार्यक्रम हों ही न और रिपोर्ट फाइल कर दी जाए। सफाई कर्मियों के सुपरवाइजर काफी समय से ऐसा ही करते हैं। अर्थात अब इंसान का इंसान पर से भरोसा उठ चुका है। जीयो टैग फोटो ही सबकुछ हो गया है। पर फोटोशॉप और एआई के दौर में इसपर भी कितना भरोसा किया जाए।

स्कूल की परीक्षा में एक सवाल पर बवाल

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी पेपर के सवाल को लेकर हंगामा मच गया है। दरअसल, बुधवार को कक्षा चार की छमाही परीक्षा में पूछे गए बहुविकल्पीय सवाल में छात्रों को मोना के कुत्ते का नाम बताने को कहा गया था। इसके जवाब में दिए चार विकल्पों में बाला, शेरू, कोई नहीं और राम नाम थे।

इस सवाल को लेकर संगठन विरोध में उतर आए। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की जिला प्रमुख हर्षवर्धन चंद्राकर ने ऐसे सवाल बनाने वालों की गिरफ्तारी और बर्खास्तगी की मांग की है। विहिप ने बृहस्पतिवार को जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) विजय कुमार लहरे के सामने प्रदर्शन किया। विहिप जिला प्रमुख चंद्राकर ने कहा कि परीक्षाओं में ऐसे सवाल अनुचित हैं और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाते हैं। डीईओ ने खेद जताते हुए भरोसा दिलाया कि ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होंगी।

संपादकीय

चुनाव जिताने की चुनौती

कांग्रेस का एक धड़ा इस बात की शिकायत करता था कि गांधी परिवार की प्रियंका गांधी को पार्टी कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं देती है,उनका कोई उपयोग नहीं करती है।कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने हाल ही में असम, बंगाल, केरल, तमिलनाडु, पडुचेरी के विधानसभा चुनाव के लिए स्क्रीनिंग कमेटी की घोषणा की है। इसमें से असम कमेटी की अध्यक्ष प्रियंका गांधी बनाई गई हैं। इसके अलावा कांग्रेस नेता मधुसूदन मिस्त्री को केरल समिति का अध्यक्ष,टीएस सिंहदेव को तमिलनाडु व पुडुचेरी की समिति का अध्यक्ष,हरिप्रसाद को बंगाल समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। देखने में तो यह रूटीन में लिया गया फैसला है। यानी चुनाव के पहले ऐसी समितियां हर बार बनाई जाती है, इसलिए इस बार बनाई गई हैं, पहले और इस बार बनाई गई समिति में यह फर्क है कि पहले कांग्रेस के पहली पंक्ति के नेताओं को ही चुनाव जिताने के लिए समिति का अध्यक्ष बनाया जाता था, इस बार गांधी परिवार की एक सदस्य प्रियंका गांधी को भी एक राज्य में चुनाव जिताने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ऐसा नहीं है कि गांधी परिवार की सदस्य प्रियंका गांधी को पहली बार किसी राज्य में चुनाव जिताने की जिम्मेदारी दी गई है। इससे पहले भी उनको यूपी विधानसभा चुनाव मे आधे यूपी का प्रभारी बनाया गया था। तब उन्होंने यूपी में कांग्रेस का खूब प्रचार किया था, उनकी सभाओं में भीड़ बहुत आती थी,उन्होंने यूपी विधानसभा चुनाव में लड़की हूं लड़ सकती हूं का नारा भी दिया था।चुनाव के दौरान तो ऐसा माना जा रहा था कि यूपी में प्रियंका गांधी कांग्रेस को अच्छी सफलता दिला सकती हैं, इससे यूपी में प्रियंका कांग्रेस को मजबूत कर सकती हैं।प्रियंका गांधी को यूपी में कांग्रेस का मजबूत करने व चुनाव जिताने के लिए भेजा गया था लेकिन उनके नेतृत्व में कांग्रेस बुरी तरह हारी, मात्र दो सीट ही कांग्रेस जीत सकी थी और चार प्रत्याशी दूसरे स्थान पर रहे थे यानी अकेले चुनाव लड़ने पर कांग्रेस को बुरी हार का सामना करना पड़ा था और प्रियंका गांधी की शुरुआत ही बुरी रही थी।

> “ वह अकेले लड़ी और दो बार चुनाव हार चुकी है। वर्तमान में वहां हेमंता सरमा सीएम हैं और वह कभी असम में कांग्रेस के बड़े नेता हुआ करते थे। वह राहुल गांधी के खिलाफ बड़ी तीखा तीखा बोलते हैं, उनको हराने की जिम्मेदारी प्रियंका गांधी को सौपकर राहुल समर्थकों ने एक तीर से दो शिकार किए हैं। अगर प्रियंका गांधी हरा देती है तो इससे असम में कांग्रेस को फायदा होगा।

इसके बाद से कई राज्यों में विधानसभा चुनाव हो चुके, लोकसभा चुनाव भी 24 में हुआ लेकिन प्रियंका गांधी को कहीं भी चुनाव जिताने की जिम्मेदारी नहीं दी गई। यानी मान लिया गया कि वह कांग्रेस को चुनाव नहीं जिता सकती है।पिछले साल हरियाणा,दिल्ली,महाराष्ट्र.झारखंड,बिहार,जम्मूकश्मीर में विधानसभा चुनाव हुए और कांग्रेस ने हरियाणा,दिल्ली व महाराष्ट्र, में अकेले चुनाव लड़ा और बुरी तरह हारी।मिल के चुनाव लड़ा तो जम्मू कश्मीर,झारखंड में जीती लेकिन बिहार में हारी। इससे कांग्रेस में भारी असंतोष पैदा हुआ है कि गांधी परिवार अब चुनाव जीता नहीं पा रहा है। इससे राहुल गांधी की क्षमता पर सवालिया निशान लग गया है। पार्टी में असंतोष बढ़ रहा है। राहुल गांधी को हार से बचाने के लिए कांग्रेस की तरफसे कहा तो गया कि वोट चोरी के कारण कांग्रेस हार रही है यानी चुनावी हार के लिए राहुल गांधी दोषी नहीं है,चुनाव आयोग व मोदी सरकार दोषी है। ऐसे में कांग्रेस के भीतर से ही यह मांग उठने लगी की राहुल गांधी को बहुत मौका दिया गया है वह बीस साल में कांग्रेस कम चुनाव जिताएं और ज्यादातर चुनाव जीता नहीं पाए हैं। वह नेता प्रतिपक्ष बनाए गए हैं लेकिन विपक्ष को एकजुट नहीं कर पाए है। बिहार चुनाव हारने के बाद तो उनकी नेतृत्व क्षमता पर भी सवालिया निशान लग गया है क्योंकि यहां सरकार के खिलाफ20 साल की नाराजगी थी लेकिन राहुल गांधी वोट चोरी के मुद्दे को उठाकर इस मौके का गवां दिया और इसका नुकसान तेजस्वी यादव को भी हुआ है। राहुल गांधी की असफलता के कारण ही कांग्रेस में प्रियंका समर्थकों को मौका मिला यह मांग करने का कि अब प्रियंका गांधी को भी पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी मिलनी चाहिए। हाल ही में संसद में मौका मिला तो प्रियंका ने सभी को प्रभावित किया। लोकसभा अध्यक्ष की चाय पार्टी में जाकर भी उन्होंने यह जाहिर करने का प्रयास किया कि वह राहुल गांधी से अलग तरह की नेता है। उनके इस कदम की भी लोगों ने तारीफकी है। यह कांग्रेस के भीतरी दबाव का परिणाम है कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं,उनमें एक राज्य असम में चुनाव जिताने की जिम्मेदारी प्रियंका गांधी को दी गई है। असम में कांग्रेस 2016 सत्ता से बाहर है।

दिल्ली-ढाका के रिश्तों में बढ़ेगी खटास कौन संभालेगा बांग्लादेश की बागडोर

डॉ. सुधीर सक्सेना

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की चेयरपर्सन बेगम खालिदा जिया नहीं रहीं। 30 दिसंबर को फज्र की नमाज के बाद उन्होंने ढाका के एवर केयर हास्पिटल में अंतिम सांस ली। वह 23 नवंबर से अस्पताल में भर्ती थीं और दिल, ज़िगर और गुर्दे के अनेक विकारों के अलावा मधुमेह और उच्च रक्तचाप से पीड़ित थीं। रात दो बजे के करीब अस्पताल के डॉक्टर प्रो. एजेडएम हुसैन ने पत्रकारों को यह कहकर ब्रीफ किया कि बेगम ज़िया गंभीर संकट से गुज़र रही हैं, लेकिन करीब चार घंटों के बाद उन्होंने ऐलान किया कि 80 वर्षीया बेगम नहीं रहीं। गौरतलब है कि बेगम शेख हसीना वाजेद के भारत में शरण लेने के बाद बेगम जिया बांग्लादेश में सबसे शक्तिशाली नेता के तौर पर चिन्हित थीं और आगामी 12 फरवरी को आसन्न चुनाव में उनकी पार्टी बीएनपी की सत्ता में वापसी का कयास लगाया जा रहा था।

बेगम जिया ने जब आंखें मूंदी, तब उनका भरपुरा कुनबा वहां मौजूद था। उनके बेटे तारिक रहमान, बहू जुबैदा रहमान, बेटी ज़ैमा के अलावा दिवंगत पुत्र अराफत रहमान कोके की बेवा सैयदा शमीला रहमान और बेटियां जाहिया एवं जाफिया, छोटा भाई शमीर इस्कंदर उसकी पत्नी कनीज फातिमा, दिवंगत भाई सईद की पत्नी नसरीन और बहन सेलिना इस्लाम उनके आखिरी लम्हों में उनकी नज़रों के सामने थे। बेगम जिया का जन्म 12 फरवरी, सन 1945 को भारत में जलपाईगुड़ी में हुआ था। उनका लाड़प्यार का नाम पुतुल था। विभाजन पर उनका परिवार पूर्वी पाकिस्तान चला गया। उनकी प्रारंभिक शिक्षा दीक्षा दिनाजपुर में मिशनरी एवं गर्ल्स स्कूल में हुई। सन 1965 में कैप्टेन जिया उर रहमान से शादी के बाद वह पाकिस्तान चली गयीं। बाद में कैप्टेन जिया बांग्लादेश के राष्ट्रपति रहे और खालिदा सन 1977-81 में देश की प्रथम महिला। कैप्टेन जिया ने सन 1978 में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की स्थापना की। 30 मई, 1981 को कैप्टेन जिया की हत्या के बाद जनवरी, सन 82 में बेगम ने बीएनपी ज्वाइन की और 10 मई सन 84 को वह पार्टी की चेयरपर्सन चुनी गयीं। जीवन के आखिरी पल तक वह इस पद पर बनी रहीं। सन 1991 से 1996 और फिर सन 2001 से 2006 तक प्रधानमंत्री रहकर उन्होंने इतिहास रच दिया। सन 2008 से 2014 के दरम्यान वह शेख हसीना वाजेद के प्रधानमंत्रित्व काल में नेता प्रतिपक्ष रहीं।

दरअसल, बांग्लादेश की राजनीति में खालिदा जिया और शेख हसीना को प्रतिद्वंद्वी और विरोधी विचारधारा के प्रतिनिधि के तौर पर देखा जाता रहा है। शेख हसीना को जहां भारत के साथ अच्छे संबंधों और अल्पसंख्यकों के प्रति सदाशयता की हिमायती के तौर पर देखा जाता है, वहीं खालिदा जिया भारत-विरोधी बांग्ला राष्ट्रवाद का प्रतिनिधित्व करती रहीं। वह मजहबी ताकतों को पोसने के लिये जानी जाती हैं। तीस्ता तीरे जनमी खालिदा की चर्चा आमोखास में रही है। उन्हें कमर मुरादावादी का शेर अब मैं समझा तिरे रूख्सार पे तिल का मतलब। दौलते-हुस्न पे दरबान बिठा रखा है% निहायत पसंद था। माना जा रहा था कि वह बीएनपी के पुनर्सत्तारोहण की वाहिका बनेंगी, लेकिन उनके निधन से सियासत की मुंडेर पर अटकलों का सब्जे उग आये हैं। यह सौ फीसदी तय है कि अब उनका बेटा तारिक उनका उत्तराधिकार संभालेगा और अवामी लीग पर पाबंदी के साये में चुनाव के बाद वही बतौर पीएम देश की बागडोर संभालेंगे। यूं तो बांग्लादेश की सियासत बंगबंधु मुजीबुर्रहमान की हत्या के बाद ही बेपटरी हो गयी थी, किंतु शेख हसीना के पलायन के बाद कटटरपंथी इस्लामी तत्वों की बन आई है। हिंदुओं की नृशंस हत्याएं और दमन इसका प्रमाण है। बांग्लादेश में भारत विरोधी भावना को पाकिस्तान और चीन शह दे रहे हैं और उनकी गुप्तचर एजेंसियां वहां सक्रिय हैं। ढाका-इस्लामाबाद-वीजिंग नयी धुरी के तौर पर उभर रहे हैं ओर भारतीय सीमा के मात्र 12-15 किमी दूर लालमोनिरहाट एयरबेस को फिर से शुरू करने की चीन को अनुमति मिल गई है। अचरज की बात है कि इस्रायल बांग्ला फौज को प्रशिक्षण व उपकरण दे रहा है। हालात संकेत करते हैं कि आगामी समय में दिल्ली और ढाका के रिश्तों में खटास बढ़ेगी।

सब कुछ आईने की मानिंद साफ है। कहीं कुछ भी कुहरिल या गोपन नहीं। वेनेजुएला में तीन जनवरी शनिवार की स्याह सर्द रात में जो कुछ हुआ वह अमेरिकी नव उपनिवेशवाद का ऐसा खूंखार आक्रामक चेहरा है जिस पर निर्लज्ता का लेप नजर आता है। भूमिका बरसों से बन रही थी, किंतु यह अंदेशा कतई नहीं था कि राष्ट्र?पति डोनाल्ड ट्रम्प के निर्देश पर अमेरिकी डेल्टा फोर्स काराकास में %ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व को इस तरह अंजाम देंगे। अमेरिकी सेना ने मुहिम को इस खूबी से संचालित किया कि किसी को पेशगी भनक भी न लगी। वेनेजुएला के सुरक्षा-बल कोई प्रतिरोध नहीं कर सके और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो अप?नी पत्नी सिलिया फ्लोरेंस के साथ-डेल्टा फोर्स के हत्थे चढ़ गये। वह राजधानी काराकास में सैनिक अड्डे में पत्नी के साथ निश्चिंत सो रहे थे कि अमेरिका के फौजी जवानों ने उन्हें दबोच लिया। मादुरो ने नजदीकी इस्पाती कक्ष में भागने की कोशिश कीं, किंतु असफल रहे। उन्हें बलात खींचते हुये बाहर ले जाया गया। उन्हें हथकड़िया पहनाई गयी और आँखों पर पट्टी बाँध दी गई। कुछ ?ही घंटों बाद वह अमेरिका में थे। इस दशा में वह लोअर मैनहट्टन में थे और उपस्थित जनों को %गुडनाइट% और हैप्पी न्यू इयर% कहते पाये गये। अमेरिकी डिटेंशन सेंटर में रखे गये मादुरो पर अब मादक पदार्थों की तस्करी व अन्य अपराधों के लिये अमेरिकी कानून के तहत मुकदा चलेगा। इस मुकदमें के फैसले का अनुमान लगाना कठिन नहीं है।

अमेरिकी सेना को इस आक्रामक कारवाई के पूरा करने में बमुश्किल तीस मिनट लगे। जिस टुकड़ी ने इसे संपन्न किया, उसे फौज की एलीट टुकड़ी माना जाता है। इस कथित भद्र टुकड़ी ने पिछली लगभग एक छमाही में खूब तैयारी और अभ्यास किया। मादुरो क्या खाते हैं कहाँ जाते हैं और क्या पहनते हैं, यहाँ तक कि उनके पेटस (कुत्तों) की गतिविधियों की राई रत्ती जानकारी जुटाई गयी। रिहर्सल के लिये उनके ठिकाने की अनुकृति तैयार की गयी और चाक-चौबंद इंतजाम के बाद मिशन को अंजाम दिया गया। इस अभियान में अमेरिका ने आधुनिकतम अपाचे हेलीकाप्टरों का भी इस्तेमाल किया। गौरतलब है कि अपाचे के साथ प्रतिरोध का ऐतिहासिक जनजातीय संदर्भ जुड़ा हुआ है।

यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि अमेरिका को अपनी आक्रामक सैन्य कार्रवाई में किसी प्रतिरोध का सामना क्यों नहीं करना पड़ा? अमेरिकी पाबंदियों और ट्रंप की चेतावनियों के परिप्रेक्ष्य में मादुरो को सजग और सन्नद्ध रहना था। क्या वह ट्रंप के अंतिमेत्थम को घुड़की मान रहे थे? वह अपनी सुरक्षित मांद में होते तो उन्हें दबोचना मुश्किल था, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। मादुरो ने सन 2013 में शावेज के उत्तराधिकारी के तौर पर सत्ता संभाली थी, घरेलू और वैदेशिक नीति में वह शावेज के नक्शे पर चले। उन्होंने खुद तेल भंडारों का दोहन करना चाहा, जिन पर वाशिंगटन की अर्से से गिद्ध दृष्टि है। सन 2018 और सन 2024 के आम चुनावों में उन पर %वोट चोरी% के गंभीर आरोप लगे। अमेरिका और योरोपीय देशों समेत घरेलू विपक्ष ने माना कि मादुरो चुनावी धांधली से फिर से सत्ता में आये हैं। अमेरिका ने उन पर खुल्लमखुल्ला नारको-टेररिज्म का आरोप लगाया और कहा कि मादुरो ड्रग कार्टेल का संचालन कर रहे हैं। कार्टेल डेलॉस सोल्स के संचालन और अन्य आरोपों से बिंधे मादुरो को असफल कू-दे-ता, विरोध प्रदर्शनों, धांधली के आरोपों, आर्थिक पाबंदियों आदि का सामना करना पड़ा। इस बीच वेनेजुएला में मुद्रा स्फीति की दर, मंहगाई और गरीबी बढ़ती गयी। जब-तब तेल निर्यात से उसे राहत मिली। वह तेल की बदौलत भयावह संकट से उबर भी जाता, लेकिन ट्रंप ने मादुरो की मुश्कें कसने की कसम खा रखी थी। अमेरिका ने रणनीति के तहत एंटी-ड्रग्स मुहीम छेड़ी, शैडो-फ्लीट पर पाबंदी लगा दी, तीस नौकायें नष्ट कर दीं और बंदरगाहों की नाकाबंदी कर दी। मादुरो पर पहले 15 मिलियन डालर का ईनाम था, जो ट्रंप के पुन÷ सत्ता में आने पर 25 मिलियन डॉलर और हाल में बढ़ाकर 50 मिलियन डॉलर कर दिया गया। यह एक बड़ी रकम है। इसके लोभ में लगता है कि मादुरो के प्रहरी और अंगरक्षक उनका साथ छोड़ गये। अंतत÷ उनका हश्र भी कर्नल गद्दाफी और सद्दाम हुसैन सरीखा हुआ। वह जीते जी दुश्मन के हाथ लग गये।

दो करोड़ 85 लाख की आबादी का वेनेजुएला खनिज और तेल समृद्ध लातिनी अमेरिकी राष्ट्र है। तेल के अथाह भंडार के अलावा वहां लोहा, कोयले, सोने, हीरे और निकिल के बड़े भंडार है। पूर्व गुआना, ब्राजील और कोलंबिया से घिरे वेनेजुएला एंजेल समेत असंख्य सुंदर प्रपातों, वर्षा वन, सुरम्य उद्यानों, कदाटुंबा में बिजली उत्पादन और मेरिडा में सर्वोच्च केबल कार के लिये जाना जाता है। सन 2025 के लिये शांति का नोबेल पुरस्कार भी यहां की मारिया कोरिना मचाडो को मिला। ट्रंप इस पुरस्कार के प्रबंल दावेदार थे, लेकिन मचाडो ने उन्हें पछाड़कर बाजी मार ली। मचाडो मादुरो की प्रबल विरोधी हैं और उन्होंने अमेरिका से सैन्य हस्तक्षेप की बात भी की थी। नोबेल पुरस्कार के लिये वह बाहरी मदद से चुपचाप चोरी छिपे वेनेजुएला से निकलकर ओस्लो पहुंच गयी बताई जाती है।

इस बात में शक नहीं कि शेखीखोर ट्रंप के तेवर तीखे हैं। मादुरो को सबक सिखाने के बाद उनकी घुड़कियों का महत्व बढ़ गया है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वेनेजुएला में वही होगा, जो वह चाहेंगे। वेनेजुएला की सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक उपराष्ट्रपति सुश्री डेल्सी रोड्रिगेज अंतरिम राष्ट्रपति होंगी, लेकिन ट्रंप ने सुरक्षित, सही और न्यायपूर्ण सत्ता हस्तांतरण तक सत्ता हाथ में रखने की बात कही है। यानि अब संसाधन समृद्ध वेनेजुएला संयुक्त राज्य अमेरिका का उपनिवेश है। अमेरिका की विराट तेल कंपनियां वेनेजुएला में तेल उलीचेंगी और अनापशनाप मुनाफा बटोरेंगी। ट्रंप ने सेक्रेट्री ऑफ स्टेट मार्को रूबियो की डेल्सी रोड्रिगेज से बातचीत पर संतोष व्यक्त किया है। ट्रंप की दिक्कत यह है कि उनके देश में ही उनका विरोध हो रहा है। न्यूयार्क के मेयर ममदानी ने इस आक्रामक कार्रवाई का खुला विरोध किया है। रूस, चीन, ब्राजील, ईरान, क्यूबा, स्पेन, बेलिविया, चीले और कोलंबिया ने ट्रंप की निंदा की है, जबकि भारत ने पक्ष-विपक्ष में कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है। समूचे विश्व में इसे दादागिरी और अंतराष्ट्रीय नियमों और राष्ट्रीय संप्रभुता का उल्लंघन माना जा रहा है। इसमें शक नहीं कि चीले, बोलीविया, डोमीनिकन रिपब्लिकन, इक्वेडोर, ग्वाटेमाला, हैती, मेक्सिको, पनामा और निकारागुआ में हस्तक्षेप और तख्तापलट के बाद उसकी दाढ़ से खून लग गया है। अब सबकी नजर यूं तो पांच जनवरी को सुरक्षा परिषद की बैठक पर है, अलबत्ता यह सच है कि वेनेजुएला का प्रसंग खूँखार अमेरिकी नव-उपनिवेशवाद की ताजा कड़ी है।

बिहान योजना से बदल रही जिंदगी, लखपति दीदी बनकर आगे बढ़ रहीं जिले की महिलाएँ

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की मदद से कबीरधाम जिले की महिलाएँ आज आत्मनिर्भर बन रही हैं। वे अब केवल घर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि काम करके परिवार की आमदनी भी बढ़ा रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत चल रही बिहान योजना ने महिलाओं के जीवन में एक नई रोशनी लाई है। इसी योजना से जुड़कर कई महिलाएँ आज लखपति दीदी बन चुकी हैं।

कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड की जय सतनाम स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती हेमिन रात्रे और श्रीमती मीना रात्रे इसकी अच्छी मिसाल हैं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और विभागीय सहायता मिली।

इसके बाद उन्होंने मछली पालन को अपने रोजगार का साधन बनाया। एनआरएलएम के सहयोग से सामुदायिक तालाब में वैज्ञानिक तरीके से मछली पालन शुरू किया गया। सही देखरेख और समय पर भोजन देने से मछली उत्पादन बढ़ा। इससे मछली बेचकर उन्हें नियमित और अच्छी आमदनी होने लगी।

अब वे घर के खर्च आसानी से चला पा रही हैं और बचत भी कर रही हैं। आज ये महिलाएँ लखपति दीदी बनकर जिले की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं। मछली पालन से मिली आय ने उनकी आर्थिक स्थिति ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और समाज में सम्मान भी बढ़ाया है।

श्रीमती हेमिन रात्रे और श्रीमती मीना रात्रे बताती हैं कि पहले उनका जीवन केवल घर तक सीमित था। काम करने की इच्छा थी, लेकिन पैसे की कमी के कारण आगे नहीं बढ़ पाईं। स्व-सहायता समूह से जुड़ने और बिहान योजना के तहत ऋण मिलने के बाद उन्होंने मछली पालन शुरू किया, जो आज उनकी आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन गया है।

अब वे घर की जिम्मेदारियों के साथ-साथ परिवार की आर्थिक मजबूती में भी अहम भूमिका निभा रही हैं। समाज और रिश्तेदारों के बीच उनकी एक नई पहचान बनी है, जिससे उनका आत्मसम्मान और हौसला दोनों बढ़े हैं।

उम्मीद के जुगनुओं का आभास देता साहस

विश्वनाथ सचदेव

जनतंत्र में पत्रकारिता भय के नहीं, सत्य के प्रति उत्तरदायी होती है। सत्य को समाज के सामने रखना और सत्य के पक्ष में खड़ा होते हुए दिखना पत्रकारिता का धर्म है। तभी उसकी विश्वसनीयता बनी रह सकती है। यह विश्वसनीयता पत्रकारिता का प्राण-तत्व है।

देश के सबसे स्वच्छ माने जाने वाले शहर इंदौर में पीने के दूषित पानी के कारण चौदह लोग मारे गये और दो सौ से अधिक लोग बीमार होकर अस्पतालों में इलाज करवा रहे हैं। मरने वालों और बीमार होने वालों की यह संख्या एक आंकड़ा मात्र नहीं है, यह हमारी समूची व्यवस्था पर लगा एक सवालिया निशान है, जिसका उत्तर देना त्रासदी से जुड़े सभी व्यक्तियों, जिनमें उच्च अधिकारी और संबंधित मंत्री शामिल हैं, का दायित्व है। प्रशासन और संबंधित मंत्री महोदय ने पीड़ितों की सहायता और स्थिति को सुधारने का आश्वासन दिया है। मामला गंभीर है और अपनी तरह का पहला कांड भी नहीं है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इस तरह की आपराधिक लापरवाही के उदाहरण अक्सर मिलते रहते हैं। इस मामले में राज्य के संबंधित मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपना 'अपराध' भी स्वीकार किया है और खेद भी व्यक्त किया है। अब मामले की जांच होगी, कुछ कार्रवाई भी होगी। और फिर इसे भी पहले की ऐसी वारदातों की तरह भुला दिया जायेगा, आवश्यकता भूल जाने की इस प्रवृत्ति से निपटने की है। यह याद रखा जाना चाहिए कि संबंधित व्यक्तियों-विभागों की लापरवाही के कारण इतना गंभीर कांड हो गया, जो किसी भी दृष्टि से क्षम्य नहीं है।

लेकिन इस त्रासदी के साथ जुड़े दो पक्ष और भी हैं, जिन्हें याद रखा जाना चाहिएङ्क पहले तो यह कि इस कांड के दौरान देश ने अपने एक बड़े माने जाने वाले नेता की उथली सोच और व्यवहार का उदाहरण प्रस्तुत किया है और दूसरा पक्ष उस एक पत्रकार के व्यवहार वाला है, जिसने मंत्री महोदय के घटिया उद्गारों का तत्काल विरोध किया। जहां अपशब्दों का इस्तेमाल करने वाले मध्यप्रदेश के मंत्री, क्षमा मांगने के बावजूद लोक-मर्यादा के कटघरे में खड़े हैं, वहीं उस पत्रकार की सब प्रशंसा कर रहे हैं, जिसने पूरी गंभीरता और साहस के साथ मंत्री महोदय को यह जता दिया कि उनका व्यवहार अशोभनीय ही नहीं, शर्मनाक भी था। यह बात क्षमा मांग कर रफा-दफा करने की नहीं है, अपना आपा खोने वाले ऐसे मंत्री को इतने ज़िम्मेदार पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है।

लेकिन प्रशंसा उस पत्रकार की होनी चाहिए, जिसने इस कांड में पूरे साहस और निर्भीकता के साथ मंत्री महोदय को उनकी औकात दिखाई। घटना के वीडियो वायरल हो जाने वाले इस समय में कोई यह कहकर बच नहीं सकता कि उसने ऐसा नहीं कहा था अथवा उसे ग़लत उद्धृत किया जा रहा है। सब कुछ सबके सामने आ जाता है। इंदौर के इस कांड में स्पष्ट दिख रहा है कि मंत्री जी ने पत्रकार के वाजिब और ज़रूरी सवाल को सिर्फ 'फोकट' का प्रश्न ही नहीं बताया बल्कि ऐसे शब्द का इस्तेमाल किया जो सभ्य समाज में अभद्र माना जाता है। लेकिन इस मामले में प्रशंसनीय बात पत्रकार अनुराग द्वारी का साहस है जो उन्होंने मंत्री महोदय के सामने प्रकट किया। प्रशंसनीय इसलिए कि हमारे आज के दौर में किसी पत्रकार का इस तरह का साहस दिखाना अपने आप में एक समाचार है। कारण कुछ भी रहे हों, लेकिन हकीकत यही है कि हमारी आज की पत्रकारिता पर सत्ता के समक्ष झुकने के आरोप आये दिन लग रहे हैं और इसके उदाहरण भी अक्सर मिलते रहते हैं। यही नहीं, मीडिया के एक बहुत बड़े हिस्से की तो पहचान ही 'गोदी मीडिया' वाली हो गयी हैङ्कगोदी मीडिया यानी सत्ता के समक्ष नतमस्तक पत्रकारिता। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में तो यह प्रवृत्ति अखबारों से कहीं ज्यादा ही दिख रही है। अपवाद अवश्य हैं, पर इनसे तो नियम ही सिद्ध होते हैं। ऐसे में अनुराग द्वारी जैसे पत्रकार का इस तरह साहस दिखाना सुखद आश्चर्य ही देता है।

यह अपने आप में एक विडंबना ही है कि जो साहस और स्पष्टवादिता पत्रकारिता का आवश्यक गुण माना जाता था, वह आज की पत्रकारिता में खोजे नहीं मिलता। एनडीटीवी के वरिष्ठ पत्रकार अनुराग द्वारी ने इस गुण का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। स्थिति की विकटता का इससे बड़ा प्रमाण और क्या हो सकता है कि कभी साहसी और निष्पक्ष पत्रकारिता का प्रतीक माना जाना वाला समाचार चैनल अपने ही इस साहसी पत्रकारिता के उदाहरण को उचित महत्व नहीं दे पाया।

'उचित महत्व न दे पाया' कहना इसलिए ज़रूरी है कि यह मानना सही नहीं होगा कि चैनल एनडीटीवी वाले इस 'साहस' को जानते या समझते नहीं हैं। यह दुर्भाग्य ही है कि हमारे अधिकांश समाचार चैनल व्यावसायिक और सत्ताधारी दबावों में काम करते दिख रहे हैं। हमारी पत्रकारिता की शोचनीय स्थिति है यह। अनायास ही आपातकाल के वे दिन याद आ रहे हैं जब 'झुकने के लिए कहे जाने वाली पत्रकारिता रेंगने लगी थी' आपातकाल के दौरान अधिकांश मीडिया संस्थानों ने सत्ता के समक्ष जैसे आत्मसमर्पण कर दिया था, वह हमारे लोकतंत्र और हमारी पत्रकारिता दोनों के इतिहास के काले पन्नों वाला काल था। यह एक दुर्भाग्य ही है कि आज के इस 'गोदी मीडिया' वाले काल की पत्रकारिता कुछ इसी तरह के संकेत दे रही है।

ऐसे में किसी अनुराग द्वारी का दिखाया गया साहस उम्मीद के जुगनुओं का आभास देता है। जुगनू सूरज नहीं हो सकता, पर इस बात की उम्मीद तो जगाता है कि हर अंधेरे को चुनौती दी जा सकती है। चुनौती दी जानी चाहिए। अनुराग द्वारी ने मध्य प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री को बड़े साहस और स्पष्टता के साथ समझा दिया था कि कुछ भी कहने और करने के सत्ता के भ्रम को तोड़ा जा सकता है। सत्ता चाहे राजनीतिक हो या फिर आर्थिक, सच्ची पत्रकारिता उसके सामने झुकेगी तो अपने दायित्व से च्युत ही होगी।

जनतंत्र में पत्रकारिता भय के नहीं, सत्य के प्रति उत्तरदायी होती है। सत्य को समाज के सामने रखना और सत्य के पक्ष में खड़ा होते हुए दिखना पत्रकारिता का धर्म है। तभी उसकी विश्वसनीयता बनी रह सकती है। यह विश्वसनीयता पत्रकारिता का प्राण-तत्व है। इस विश्वसनीयता को बनाये रखना, और इसके लिए संघर्ष करना पत्रकारिता का दायित्व भी है और सच्ची और अच्छी पत्रकारिता की पहचान भी। लेकिन यह तभी संभव है जब पत्रकारिता भय और दबाव से मुक्त हो। अनुराग द्वारी ने सत्ता के मद में चूर एक राजनेता को उसकी हैसियत बतायी है। इसके लिए प्रशंसा के पात्र हैं वे। इस बात की आशंका बनी रहेगी कि सत्ता इस तरह की पत्रकारिता को कुचलने की कोशिश कर सकती है। बहुत ताकत होती है सत्ता में।

धमकी भर से हड़कंप

ट्रंप भारत को लगातार धमकियां दे रहे हैं, इसके बावजूद कि भारत ने अमेरिका से दोगुना तेल खरीदा है। मुद्दा है कि भारत अमेरिका के सामने इतना लाचार क्यों नजर आता है? जाहिरा तौर पर इसकी वजह भारत की अपनी कमजोरियां हैँ।

डॉनल्ड ट्रंप ने संकेतों की भाषा में धमकी दी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें खुश रखें, वरना भारत और वे और टैरिफ लगा देंगे। इतने भर से भारत के कारोबार जगत में बेचैनी फैल गई। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन्स ने कहा कि अमेरिका ने मौजूदा 50 फीसदी टैरिफ को बढ़ाया, तो उसका भारतीय निर्यात पर बहुत खराब असर होगा। खासकर निर्यात के पारंपरिक क्षेत्र इससे अधिक प्रभावित होंगे। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि पहले से लगे टैरिफ के कारण बीते मई से नवंबर तक अमेरिका के लिए भारतीय निर्यात में 20.7 प्रतिशत की गिरावट आई। टैरिफ और बढ़ा, इस गिरावट की रफ्तार और तेज हो जाएगी। जीटीआरआई ने ध्यान दिलाया कि भारत के पास रूसी तेल के सबसे बड़े खरीदार चीन की तरह सौदेबाजी की ताकत नहीं है। इसलिए ट्रंप भारत को लगातार धमकियां दे रहे हैं, इसके बावजूद कि भारत ने गुजरे महीनों में अमेरिका से दोगुना तेल खरीदा है। मुद्दा है कि भारत अमेरिका के सामने इतना लाचार क्यों नजर आता है? जाहिरा तौर पर इसकी वजह भारत की अपनी कमजोरियां हैँ। हाल में एक आरटीआई अर्जी पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने स्वीकार किया था कि भारतीय निर्यात में आई गिरावट का कारण सिर्फ अमेरिकी टैरिफ नहीं है। बल्कि लागत सामग्रियों की महंगाई, उत्पाद अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं इसकी जांच करने की सुविधाओं की कमी, और पर्याप्त संख्या में शिपिंग कंटेनर्स का उपलब्ध ना होना भी भारतीय निर्यात के सामने प्रमुख रुकावटें हैं। गुजरे नवंबर में एक बैठक के दौरान भारतीय निर्यातकों ने इन समस्याओं की जानकारी वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को दी थी। जिस समय ट्रंप प्रशासन ने अपनी एकतरफा कार्रवाइयों से विश्व व्यापार के पुराने नियम बदल दिए हैं, केंद्र और भारतीय उद्योगपतियों को इन मसलों के समाधान ढूंढने को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

पुसौर नगर पंचायत के सब इंजीनियर हुए सस्पेंड

रायगढ़। पुसौर नगर पंचायत में पदस्थ सब इंजीनियर दुर्गेश मालाकार को नगरीय प्रशासन विभाग ने गुरुवार को निलंबित कर दिया है। मालाकार पर आरोप है कि जल आवर्धन पंप हाउस के पास शॉपिंग कॉम्पलेक्स निर्माण कार्य में बिना कार्य हुए राशि का भुगतान किया गया। इसके अलावा कई गड़बड़ियों के बाद नगरीय प्रशासन विभाग ने यह कार्रवाई की है। इस संबंध में गुरुवार को नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अवर सचिव अजय तिर्की का पत्र जारी कर मालाकार को निलंबित किया गया और उन्हें जेडी कार्यालय बिलासपुर में अटैच किया गया है।

सप्तशक्ति संगम में महिलाओं ने खेली लंगड़ी और कुर्सी दौड़

कुम्हारी। सप्तशक्ति संगम का आयोजन किया गया। इसमें कुम्हारी और आसपास के लगभग 10 गांव की महिलाएं शामिल हुईं। महिलाओं ने नृत्य-संगीत के रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। सैनिक परिवारों की महिलाओं का सम्मान किया गया। साथ ही लंगड़ी दौड़, कुर्सी दौड़, पिरामिड बनाओ, कौन पहले दीप जलाए जैसी कई खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की योजना से पूरे देश में सप्त शक्ति संगम कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य अतिथि गीता राय और विशिष्ट वक्ता सुनीता साहू, मुख्य वक्ता टाकेश्वरी साहू ने वक्तव्य दिया। संचालन शारदा मौर्य, जागेश्वरी देवांगन ने किया।

गौवंश के सेवा कर फोटो भी अपलोड करेंगे अधिकारी

भिलाई। नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने एक आदेश जारी किया है, जिसके तहत अब रोज अधिकारियों को गौठान पहुंचकर गो वंश की सेवा करना होगी। साथ ही वे गौठान में गो वंश के लिए चारा-पानी, इलाज जैसे जरूरी सुविधाओं की जांच करेंगे और देखरेख भी करेंगे। उनके लिए मूलभूत जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराएंगे। सातों दिन अलग-अलग अधिकारियों की ड्यूटी लगा दी है ताकि गो वंश सेवा नियमिति रूप से हो सके। अफसरों को गो सेवा करते हुए जीयो टैगिंग कर फोटो भी खींचकर भेजना होगी। अधिकारी निगम के वाट्सएप ग्रुप में फोटो डालेंगे।

धमकी के बाद दुर्ग कोर्ट की भी बढ़ी सुरक्षा, दिनभर जांच

दुर्ग। राजनांदगांव जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद गुरुवार को दुर्ग जिले में भी एहतियातन सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। बम स्क्वाड, डॉग स्क्वायड ने पूरे न्यायालय परिसर, कमरे एवं आसपास के क्षेत्र में जांच की। इसके अलावा सभी प्रवेश द्वार पर पुलिस बल लगा दिया गया, उन्होंने कोर्ट परिसर में जाने वालों को जांच के बाद प्रवेश की अनुमति दी। न्यायालय परिसर के अंदर और बाहर लगभग 60 से अधिक पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई। एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर ने गुरुवार दिनभर चली कवायद को ये रुटीन चैकिंग करार दिया।

बीएसपी के एसएमएस-2 में सुरक्षा संदेश के प्रभावी प्रसारण पर किया नाटक का मंचन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-2 (एसएमएस-2) द्वारा सुरक्षा माह के अंतर्गत 08 जनवरी 2026 को वर्क्स बिल्डिंग-26 में एक व्यापक सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ करना तथा कर्मचारियों एवं श्रमिकों को सुरक्षित कार्य पद्धतियों के प्रति प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम को मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) डी. सत्पथी तथा कार्यकारी विभागाध्यक्ष (एसएमएस-2) एस. देबसिकदार ने संबोधित किया। अपने उद्बोधन में वक्ताओं ने कार्यस्थल पर सुरक्षा प्रक्रियाओं के कठोर अनुपालन, जोखिमों की पूर्व पहचान (प्रो-एक्टिव हैज़र्ड आइडेंटिफिकेशन) तथा सुरक्षा को सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने पर विशेष बल दिया।

उन्होंने कर्मचारियों एवं श्रमिकों से आह्वान किया कि वे सुरक्षित कार्य व्यवहार को दैनिक कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाएं और शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्रिय योगदान दें।

कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा संदेश को प्रभावी ढंग से प्रसारित करने के उद्देश्य से सुरक्षा विषय पर आधारित लघु नाट्य प्रस्तुति दी गई। साथ ही सुरक्षा पर केंद्रित कविताओं का सस्वर पाठ तथा 'नियर मिस' घटनाओं के लिए कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

इन गतिविधियों ने कार्यक्रम को संवादात्मक एवं जीवंत स्वरूप प्रदान करते हुए प्रतिभागियों में सुरक्षा के प्रति सजगता, सहभागिता और व्यवहारगत सीख को सुदृढ़ किया। कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं को टालने की दिशा में यह एक रचनात्मक प्रयास था।

दूर होगी वर्षों पुरानी समस्या, दुर्ग में 129.5 करोड़ के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्वीकृति

अभी केवल हाउसिंग बोर्ड की कालोनी में है अंडग्राउंड सीवरेज सिस्टम

श्रीकंचनपथ समाचार

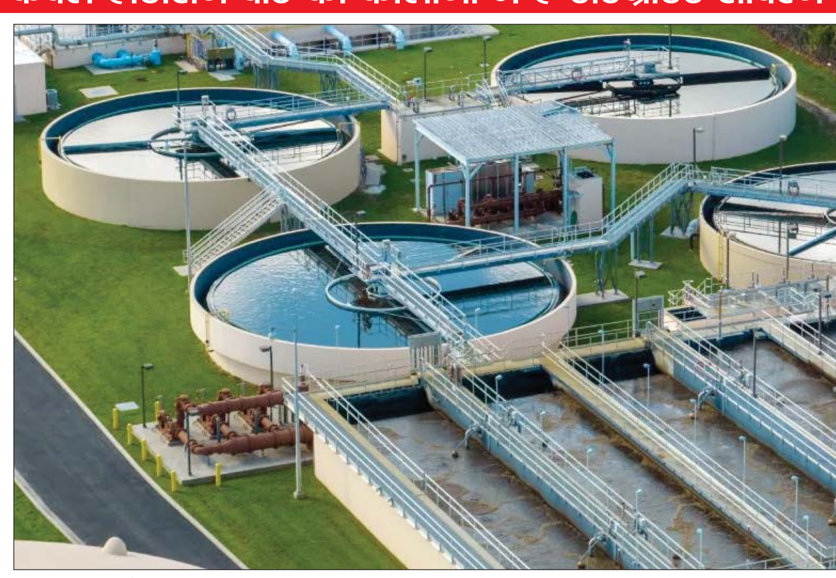

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में वर्षों से चली आ रही सीवरेज और नालों के गंदे पानी की समस्या को लेकर अब बड़ा और निर्णायक कदम उठाया गया है। नगर निगम सीमा अंतर्गत वर्तमान में हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र को छोड़कर शहर के किसी भी वार्ड में अंडरग्राउंड सीवरेज सिस्टम उपलब्ध नहीं है। जिसके कारण नालों का गंदा पानी सीधे शिवनाथ नदी में मिल रहा है और इससे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

शासन की बड़ी सौगात पहले चरण में 129.50 करोड़ की स्वीकृति शहर की इस गंभीर समस्या के स्थायी समाधान के लिए शासन द्वारा प्रथम चरण में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एस.टी.पी.) के निर्माण हेतु 129.50 करोड़ रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस योजना का उद्देश्य नालों से निकलने वाले गंदे पानी को वैज्ञानिक तरीके से शुद्ध कर उसे सुरक्षित रूप से निस्तारित करना है।

सीवरेज सिस्टम से पहले बनेगा एस.टी.पी.नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अंडरग्राउंड सीवरेज सिस्टम के निर्माण से पूर्व एस.टी.पी. का निर्माण अनिवार्य है। बिना एस.टी.पी. के सीवरेज नेटवर्क का कोई औचित्य नहीं रहेगा, क्योंकि गंदे पानी के शोधन की समुचित व्यवस्था आवश्यक है। इसी कारण शासन ने पहले एस.टी.पी. निर्माण को प्राथमिकता दी है।बघेरा क्षेत्र में सीवरेज सुधार की तैयारी, सर्वे कार्य जारी वर्तमान में सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए बघेरा क्षेत्र का सर्वे प्रोजेक्ट फाइल के रूप में किया जा रहा है। सर्वे रिपोर्ट और तकनीकी परीक्षण पूर्ण होने के बाद प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। स्वीकृति मिलते ही बघेरा क्षेत्र में सीवरेज सुधार एवं निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। यह क्षेत्र पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया जा सकता है।

एस.टी.पी. बनने के बाद पूरे शहर में फैलेगा सीवरेज नेटवर्क

नगर निगम सूत्रों के अनुसार एस.टी.पी. निर्माण पूर्ण होने के पश्चात शहर के अन्य क्षेत्रों में भी अंडरग्राउंड सीवरेज सिस्टम के लिए चरणबद्ध प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। इससे नालियों में बहने वाले गंदे पानी, जलभराव, बदबू और बीमारियों की समस्या से स्थायी राहत मिलेगी।

स्वच्छ शहर की दिशा में बड़ा कदम

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पूरा होने से दुर्ग शहर की स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ होगी, भू-जल प्रदूषण में कमी आएगी और नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिलेगा। शासन और नगर निगम की यह पहल दुर्ग को आधुनिक शहरी सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

लोककर्म प्रभारी चंद्राकर की दो टूक, ढिलाई बर्दाश्त नहीं

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में नगर निगम के लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर ने गुरुवार को नगर निगम कार्यालय में शहर में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा को लेकर महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में नगर निगम की कार्यपालन अभियंता सुश्री विनीता वर्मा, सहायक अभियंता संजय ठाकुर, राजेन्द्र धाबाले,विनोद मांझी, मोहित मरकाम,अर्पणा मिश्रा,करण यादव,पंकज साहू, प्रेरणा दुबे,सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

लोक कर्म प्रभारी ने बैठक के दौरान अधोसंरचना मद एवं 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यों की विस्तृत जानकारी एवं रिपोर्ट अधिकारियों से मांगी।

उन्होंने निगम क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा कि कार्यों में अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रभारी देवनारायण चंद्राकर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नगर निगम द्वारा कराए जा रहे सभी विकास कार्यों में गुणवत्ता के साथ-साथ गति लाई जाए, ताकि आम नागरिकों को समय पर इनका लाभ मिल सके। बैठक में निर्माण एजेंसियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी ली गई। उन्होंने चेतावनी दी कि जिन एजेंसियों के कारण कार्यों में देरी हो रही है, उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा तथा आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी।

लोक कर्म प्रभारी ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल कार्य कराना नहीं, बल्कि समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण विकास सुनिश्चित करना है।

महापौर बाघमार ने किया डामरीकरण कार्य का निरीक्षण, दिए जरूरी निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। महापौर अलका बाघमार ने प्रभारी देवनारायण चंद्राकर, पार्षद ललित ढीमर के साथ वार्ड 56 राजपूत किराना स्टोर्स से लेकर देवांगन के घर तक डामरीकरण सड़क निर्माण कार्य की लंबाई 7 सौ मीटर में जारी डामरीकरण एवं बीटी रिपेयर सड़क कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने सड़क निर्माण की गुणवत्ता और मजबूतों की विस्तार से जानकारी ली।

महापौर बाघमार ने प्रभारी देव नारायण चंद्राकर, ललित ढीमर,युवराज कुँजम ओर ठेकेदार के साथ 12 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य का जायजा लिया।

महापौर ने कार्यस्थल पर सड़क की फिनिशिंग, डामर की मोटाई, लेवलिंग, रोलिंग एवं दोनों किनारों की संरचनात्मक मजबूती की जांच करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अच्छी और मजबूत सड़कें नागरिकों की सुगमता एवं सुरक्षित यातायात के लिए आवश्यक हैं, इसलिए गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान महापौर ने सड़क की ढलान, जॉइंटिंग, बेस क्वालिटी सहित नालियों एवं जल निकासी व्यवस्था का भी अवलोकन किया। इस निरीक्षण स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

'फाइनेंस फॉर नॉन फाइनेंस' पर बीएसपी में कार्यशाला

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बीएसपी के मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा 5 एवं 6 जनवरी 2026 को फाइनेंस फॉर नॉन-फाइनेंस मैनेजर्स विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य गैर-वित्तीय पृष्ठभूमि से जुड़े प्रबंधकों में वित्तीय समझ को सुदृढ़ करना तथा उन्हें प्रभावी एवं विवेकपूर्ण व्यावसायिक निर्णय लेने में सक्षम बनाना था। क्षमता-विकास पहल के रूप में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से 34 प्रबंधकों ने अपनी सहभागिता दी।

कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा), प्रवीण निगम द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने प्रबंधकीय भूमिकाओं में वित्तीय साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए परिचालन निर्णयों को वित्तीय अनुशासन एवं संगठनात्मक लक्ष्यों के अनुरूप बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

उद्घाटन सत्र में उपस्थित महाप्रबंधक प्रभारी एवं विभागाध्यक्ष (एचआर-एलएंडडी) एसके श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को निरंतर अधिगम की भावना विकसित करने तथा अपने व्यावसायिक कौशल को निरंतर सशक्त करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में संकाय की भूमिका निभा रहे महाप्रबंधक (एचआर-एलएंडडी), एमटीआई रांची एसके मलिक ने प्रशिक्षण सत्रों का संचालन किया। सत्रों के दौरान वित्तीय विवरणों की समझ, वित्तीय विश्लेषण, लागत निर्धारण तथा वित्तीय दृष्टिकोण से निर्णय-निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यत: यह कार्यक्रम दैनिक प्रबंधकीय कार्यों से संबंधित व्यावहारिक वित्तीय समझ विकसित करने पर केन्द्रित था।

उद्घाटन सत्र का संचालन उप प्रबंधक (एचआर-एलएंडडी) जोजन जोस द्वारा किया गया। समन्वयक के रूप में एचआर-एलएंडडी, बीएमडीसी श्री के. शिवा ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का सुचारू संचालन महाप्रबंधक (एचआर-एलएंडडी) सौरभ वार्ष्णेय के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों की सकारात्मक प्रतिक्रिया एवं अपने-अपने कार्यक्षेत्र में वित्तीय समझ के व्यावहारिक उपयोग के संकल्प के साथ हुआ। सौरभ वार्ष्णेय ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

फ्लाईओवर के डिजाइन और ट्रैफिक सिग्नल के डिस्टेंस पर हुई चर्चा

नेहरू नगर चौक पर जाम की समस्या पर दिए गए सुझाव

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नेहरू नगर चौक की यातायात व्यवस्था को लेकर वहाँ के आम नागरिकों द्वारा यातायात पुलिस दुर्ग से चर्चा की गई। नागरिकों ने अवगत कराया कि व्यस्त समय में चौक पर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है, जिससे आमजन को असुविधा होती है। नागरिकों ने बताया कि पूर्व में नेहरू नगर और सेक्टर की ओर को जोड़ने बनाये गये ओवर ब्रिज को गलत डिजाइन किया जिसे ओवर ब्रिज का उपयोग कम और आम नागरिक चौक का उपयोग ज्यादा करते हैं।

नेहरू नगर और गुरुद्वारा तिराहा लगातार 300 मीटर की दूरी में दो सिग्नल का भी होना जाम का प्रमुख कारण बताया गया, सिमिति के सदस्यो द्वारा गुरुद्वारा तिराहा को गुरुद्वारा की ओर बंद मार्ग की खोलने की चर्चा पर यातायात पुलिस द्वारा बताया की उस मार्ग को खोलने पर एक्सीडेंट की संख्या बढ़ने पर वो स्थान ब्लैक स्पॉट बन गया था इस लिए उस मार्ग को बंद किया गया हैं।

यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया गया कि यातायात व्यवस्था के सुधार हेतु संबंधित विभागों से समन्वय कर आवश्यक परीक्षण एवं कार्रवाई की जाएगी, और आम नागरिक के दिये गये सुझाव को संबंधित विभाग से चर्चा कर इसे जल्द से जल्द नेहरू नगर चौक को आगे कोसानाला के पास स्थापित कर नये चौक का निर्माण किया जाये, ताकि जाम की समस्या से राहत मिल सके और यातायात सुचारु रूप से संचालित हो। आम नागरिक द्वारा सुझाव दिया गया की नेहरू नगर चौक को बंद कर कोसानाला के पास नये सिग्नल लगाने का सुझाव दिया गया ताकि चौक पर यातायात का दबाव कम किया जा सके।

उक्त चर्चा के दौरान एसोसिएशन की ओर से उपाध्यक्ष बसंत चौबे, महासचिव देविंदर सिंह भाटिया, सह-सचिव सतीश अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य दिनेश सिंघल, यतींद्र पुरंग, आर.सी. सिंह एवं अरुण उपस्थिति रहे।

बीएसपी कर्मियों को दो आवास की सुविधा के समर्थन में आया बीएमएस

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई इस्पात मजदूर संघ के प्रतिनिधिमंडल की नगर सेवा विभाग के मुख्य महाप्रबंधक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक हुई। यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने सभी के लिए दो आवास आबंटन का नियम लाने की माँग की, दो आवास आवंटित किए हुए कर्मचारियों को जिन्हें प्रबंधन द्वारा कार्रवाई का पत्र दिया जा रहा है, इनके द्वारा लगातार संपर्क कर दो आवास आवंटन की सुविधा शुरू करवाने की माँग की जा रही है। अतिरिक्त आवंटित आवास में कर्मचारी के माता-पिता अथवा परिवार रहते है जिसका बिजली एवं पैनल रेंट कर्मचारी के खाते से कटता है। इससे संयंत्र को अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति होती है और आवास भी सुरक्षित रहता है।

यूनियन ने टाउनशिप के अवासो में टाइल्स लगाने की मांग प्रबंधन से किया, क्योंकि आवास पुराने हो गए हैं और फ्लोरिंग गंदी एवं खराब हो गई है। बैकलेन सफाई की भी मांग की गई, बिल्डिंग के बाहर लगे इलेक्ट्रिकल बोर्ड को सुधारने हेतु ध्यान आकर्षित कराया गया, पूर्व कर्मचारियों द्वारा लीज में लिए गए आवासो का लीज के शर्तों के नियम अनुसार मेंटेनेंस करने की बात उठाई गई मुख्य महाप्रबंधक ने कर्मचारियों के आवासीय सुविधाओं में सुधार हेतु सकारात्मक प्रयास करने की बात कही, साथ ही उन्होंने कहा कि टाउनशिप को स्वच्छ एवं अवैध कब्जा मुक्त करने का प्रयास किया जा रहा है जिससे टाउनशिप निवासियों को अच्छा एवं सुरक्षित वातावरण प्राप्त हो सके।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

सूरजपुर जिले में मनाया जा रहा है रजत जयंती चावल उत्सव

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य गठन की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर सूरजपुर जिले में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा रजत जयंती चावल उत्सव का आयोजन 2 से 9 जनवरी 2026 तक किया जा रहा है। यह आयोजन जन-उत्सव के रूप में जिले की सभी ग्राम पंचायतों एवं नगर पालिका क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से संचालित हो रहा है। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन में सभी शासकीय उचित मूल्य दुकानों में कार्यक्रम आयोजित कर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इस दौरान शेष राशन कार्डधारियों की ई-केवाईसी पूर्ण कराने, वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाने तथा स्टॉक एवं पंजी अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए हैं। उत्सव के अंतर्गत उपभोक्ता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है, जिसमें उपभोक्ता अधिकारों, उत्पाद खरीदी के समय सावधानियों, अपमिश्रण एवं नकली वस्तुओं से संबंधित जानकारी दी जा रही है।

राष्ट्रीय अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक संपन्न

धमतरी। राष्ट्रीय अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिले में नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आज समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नेत्रदान को बढ़ावा देने, मोतियाबिंद ऑपरेशन, चश्मा वितरण एवं नेत्र परीक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एल. एल. कौशिक एवं जिला नोडल अधिकारी अंधत्व डॉ. राजेश सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में यह बैठक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, धमतरी के सभा कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में बताया गया कि जिले में नेत्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक विकासखंड में ब्लॉक नेत्रदान अधिकारियों को आवश्यक नेत्रदान सर्जिकल किट प्रदान की गई है। साथ ही, सभी सहायक नेत्रदान अधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया, ताकि नेत्रदान की प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न किया जा सके।

लड़कों को पराठे और लड़कियों को कराटे आना चाहिए - सीएसपी

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ रजत जयंती के अवसर पर पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय के निर्देशन में जांजगीर-चांपा पुलिस द्वारा महिला जन- जागरूकता एवं सड़क सुरक्षा अभियान के तहत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय विद्या निकेतन मॉडल कॉन्वेंट एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पामगढ़ में किया गया। सीएसपी जांजगीर योगिताबाली खापर्डे ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान युग में लड़कों को पराठा और लड़कियों को कराटे का ज्ञान अवश्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूली जीवन भविष्य निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है, ऐसे में बच्चों को बहकावे से बचते हुए लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ना चाहिए।

माण्ड नदी में हाईड्रो पंपिंग सिंचाई परियोजना का निरीक्षण

रायगढ़। रायगढ़ जिले के विकासखण्ड खरसिया अंतर्गत माण्ड नदी पर स्थित चपले एनीकट में संचालित हाईड्रो पंपिंग आधारित सिंचाई कार्य का आज कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भारतीय विज्ञान संस्थान (आई.आई.एस.सी.) बैंगलुरू के प्रोफेसर पुनित सिंह, कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग होमेश नायक, संबंधित अनुविभागीय अधिकारी, तकनीकी अमला एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा बताया गया कि शासन द्वारा इस महत्वाकांक्षी सिंचाई परियोजना के लिए 292.89 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसमें से 196.52 लाख रुपए की राशि का अनुबंध किया जा चुका है। वर्तमान में हाईड्रो टरबाईन पंप आधारित प्लेटफार्म का लगभग 60 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। डिस्ट्रीब्यूशन चैम्बर तक पाइपलाइन बिछाने का कार्य 50 प्रतिशत तक पूर्ण कर लिया गया है। चपले एनीकट से हाईड्रो टरबाईन पंप आधारित प्लेटफार्म के मध्य पाइपलाइन बिछाने का कार्य प्रगति पर है।

बीजापुर में 'बाल विवाह मुक्त भारत' को गति, दुष्परिणामों से अवगत कराने जनजागरण अभियान

श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। भारत सरकार द्वारा संचालितबाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बीजापुर जिले में कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देशन में व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा को रोकना तथा बच्चों के सुरक्षित, स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना है।

प्रशासन द्वारा बताया गया कि बाल विवाह बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और संपूर्ण जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। कम उम्र में विवाह से बच्चे अपने मौलिक अधिकारों से वंचित हो जाते हैं और उनके सपनों व संभावनाओं पर विराम लग जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

अभियान के तहत धार्मिक स्थलों में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही विवाह से जुड़े सेवा प्रदाताओं को भी अभियान से जोड़ा गया है, ताकि वे बाल विवाह रोकने में सक्रिय भूमिका निभा सकें।

स्कूलों, कॉलेजों, शैक्षणिक संस्थानों एवं ग्राम पंचायतों के माध्यम से बच्चों और अभिभावकों को जागरूक करने के लिए नियमित कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाएं, बच्चों को शिक्षा और स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक करें तथा उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करें। साथ ही यदि कहीं भी बाल विवाह होने की जानकारी मिले, तो तत्काल स्थानीय प्रशासन या पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन का यह मानना है और वह स्पष्ट संदेश देता है कि समाज, परिवार और प्रशासन सभ मिलकर ही बाल विवाह मुक्त भारत के सपने को साकार किया जा सकता है। आइए, हम सभी एकजुट होकर इस अभियान को सफल बनाएं और बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करें।

धन-धान्य योजना के तहत विषमुक्त खेती अपनाने लगे दंतेवाड़ा के किसान

श्रीकंचनपथ समाचार

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ शासन एवं जिला प्रशासन दंतेवाड़ा द्वारा संचालित धन धान्य योजना के अंतर्गत जिले को जैविक और विषमुक्त खेती की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी पहल का सकारात्मक परिणाम ग्राम हितावर (विकासखंड कुआकोंडा) के प्रगतिशील किसान संजय के रूप में सामने आया है, जिन्होंने रासायनिक खेती को छोड़कर पूरी तरह जैविक तरीके से मक्का उत्पादन कर क्षेत्र के किसानों के सामने एक प्रेरक सफलता कहानी प्रस्तुत की है।

धन धान्य योजना भारत सरकार की एक नई कृषि योजना है, जिसका लक्ष्य देश के 100 सबसे पिछड़े जिलों (कम उत्पादकता वाले) को चुनकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है, जिसमें 11 मंत्रालयों की 36 योजनाओं को एकीकृत किया जाएगा, ताकि सिंचाई, फसल विविधीकरण, ऋण, पशुपालन और प्राकृतिक खेती पर ध्यान केंद्रित करके किसानों की आय और देश के कृषि उत्पादन को बढ़ाया जा सके. यह योजना किसानों को सशक्त बनाने, कृषि में मूल्यवर्धन करने और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बनाई गई है।

मिट्टी की गिरती उर्वरता और रासायनिक उर्वरकों पर बढ़ती निर्भरता से परेशान संजय ने कृषि विभाग से मार्गदर्शन प्राप्त किया और इस वर्ष पूरी तरह जैविक विधि से खेती करने का निर्णय लिया। कृषि विभाग के मैदानी अमले ने उन्हें विषमुक्त खेती के लाभों, जैविक संसाधनों के महत्व और मिट्टी की सेहत सुधारने के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

मार्गदर्शन के अनुसार संजय ने खेत की तैयारी के लिए गोबर की खाद और वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग,बीज उपचार के लिए ट्राइकोडर्मा और बीजामृत और फसल पोषण हेतु जीवामृत एवं घनजीवामृत जैसे जैविक घोलों का उपयोग किया। रासायनिक उर्वरकों का उपयोग बंद करने के बावजूद मक्का की फसल में किसी प्रकार की पोषक कमी नहीं आई। बल्कि फसल पहले से अधिक हरी-भरी, स्वस्थ और आकर्षक दिखी।

कम लागत और बेहतर उपज-डबल फायदा

जैविक खेती से संजय की लागत में उल्लेखनीय कमी आई है क्योंकि उन्हें महंगे रासायनिक उर्वरक खरीदने की आवश्यकता नहीं पड़ी। वर्तमान में उनके खेत में मक्का की बालियाँ मजबूत हैं।दानों का भराव उत्कृष्ट है और जैविक उपज होने से उन्हें बाजार में बेहतर मूल्य मिलने की उम्मीद है।

संजय बताते हैं कि रासायनिक खादों से पहले खर्च बढ़ जाता था और जमीन कठोर हो रही थी, लेकिन इस वर्ष जैविक खेती से फसल भी अच्छी मिली और लागत भी घटी। अब वे अन्य फसलों में भी जैविक पद्धति अपनाने का मन बना रहे हैं।

क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणादायक मिसाल

किसान संजय की पहल ने यह साबित कर दिया है कि सही मार्गदर्शन, मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति से जैविक खेती पूरी तरह सफल हो सकती है। उनकी सफलता कुआकोंडा क्षेत्र में जैविक और विषमुक्त खेती के विस्तार का एक महत्वपूर्ण कदम है। धन धान्य योजना के उद्देश्य के अनुरूप यह सफलता कहानी दंतेवाड़ा जिले में प्राकृतिक कृषि को नई दिशा दे रही है और अन्य किसानों को भी प्रेरित कर रही है।

मेहनत और सामूहिक सहयोग से लखपति दीदी बन गई राशो

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जहां चाह वहां राह इस उक्ति को चरितार्थ कर दिखाया है कोंडागांव जिले के विकासखंड फरसगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत बानगांव की रहने वाली श्रीमती राशोबाई मरकाम ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के अंतर्गत स्व सहायता समूह से जुड़कर न केवल अपने जीवन को नई दिशा दी, बल्कि आत्मनिर्भरता की मिसाल भी कायम की है। राशोबाई आज विभिन्न आजीविका गतिविधियां शुरूकर 01 लाख रूपए से अधिक की आमदनी प्राप्त कर रही हैं।

जय माता दी स्व सहायता समूह की सदस्य राशोबाई स्व सहायता समूह से जुड़ने से पहले कृषि मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करती थीं और घर के कार्यों तक ही सीमित थी। आय के सीमित साधन होने के कारण परिवार की वार्षिक आय केवल 48 हजार रुपये थी, जिससे दैनिक जरूरतों को पूरा करना काफी मुश्किल होता था और परिवार का पालन पोषण बेहतर ढंग से नहीं हो पाता था।

स्व सहायता समूह से जुड़ने के पश्चात उन्हें समूह के माध्यम से आरएफ अनुदान राशि 15 हजार रुपये और सीआईएफ ऋण राशि 60 हजार रुपये प्राप्त हुई। इस सहयोग से उन्होंने कृषि कार्य के साथ-साथ किराना दुकान संचालन एवं मछली पालन जैसी विभिन्न आजीविका गतिविधियां शुरू कीं। जिला प्रशासन की एनआरएलएम टीम के मार्गदर्शन से उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उक्त आजीविका गतिविधियों के सफल संचालन से आज राशोबाई मरकाम की वार्षिक आय बढ़कर लगभग 1 लाख 67 हजार रुपये हो गई है। वर्तमान में वे पूर्व की तुलना में दोगुना आय अर्जित कर रही हैं। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है।

खल्लारी में महिला आजीविका दुकान से रोजगार हुआ सुनिश्चित, बिहान योजना का मिल रहा लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

खल्लारी। महासमुंद जिले के खल्लारी क्षेत्र में बिहान योजना के तहत महिला स्वसहायता समूहों द्वारा संचालित आजीविका दुकान से रोजगार सुनिश्चित हो रहा है। बिहान अंतर्गत गठित ओम सत्य साईं स्वसहायता समूह की महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम उठाते हुए इस दुकान को स्थापित किया है, जो न केवल स्थानीय उत्पादों का विक्रय केंद्र बन रही है बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है।

तिरंगा ग्राम संगठन भीमखोज खल्लारी से जुड़ीं महिलाएं, जिनमें संतोषी सिंह (अध्यक्ष), वंदना यादव और माला यादव (सदस्य) शामिल हैं, इसकी अगुवाई कर रही हैं। दुकान में सिलाई कार्य से बने उत्पाद, खिलौने, साबुन, सूपा, सारी फिनाइल, मिट्टी के बर्तन और अन्य हस्तशिल्प सामग्री का विक्रय किया जा रहा है। ये उत्पाद पूरी तरह से महिला समूहों द्वारा निर्मित हैं। इससे महिलाओं को बिचौलियों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं पड़ती और वे अपने उत्पादों से सीधा लाभ कमा सकती हैं। महिलाओं ने बताया कि विभिन्न स्व सहायता समूहों के उत्पादों को लाकर विक्रय किया जाता है।

मत्स्य सम्पदा योजना से बदला मछुआरों का जीवन, मछली उत्पादन के क्षेत्र में आई क्रांति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से राज्य के सभी जिलो में मत्स्य क्रांति की मजबूत नींव रखी जा रही है। इस योजना के माध्यम से किसानों एवं मछुवा परिवारों के जीवन में उल्लेखनीय और सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। आधुनिक तकनीकों को अपनाकर मत्स्योत्पादन क्षमता में कई गुना वृद्धि हुई है, जिससे आय एवं रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं।

योजना के अंतर्गत केज कल्चर, पॉण्ड बायोफ्लॉक एवं नवीन तालाब निर्माण को प्रोत्साहित किया गया है। जिले के खदानों एवं जलाशयों में 21 केज इकाईयाँ स्थापित कर मत्स्यपालन का कार्य किया जा रहा है, जिससे सीमित जल संसाधनों में भी अधिक उत्पादन संभव हो पाया है।

मछली पालन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी हेतु राजनांदगांव जिले के 1900 मछुवारों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इसके साथ ही मछुवा परिवारों को मछली बीज, जाल, आइस बॉक्स, मोटर साइकिल एवं पिकअप वाहन जैसी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। किसान क्रेडिट कार्ड योजना से मछुवारों को सस्ती एवं सुलभ ऋण सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

राजनांदगांव जिले में मत्स्य बीज उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु 2 नवीन हेचरी का निर्माण किया गया, जिससे जिला अब मत्स्य बीज उत्पादन में लगभग आत्मनिर्भर हो गया है। मछली बीज उत्पादन में 20 प्रतिशत तथा कुल मत्स्योत्पादन में 29 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले दो वर्षों में प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के सफल क्रियान्वयन से जिले के मत्स्य क्षेत्र की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। किसानों एवं मछुवारों की आय में वृद्धि, रोजगार के नए अवसर और मत्स्य उत्पादन में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है।

बड़े पैमाने पर तालाब एवं संवर्धन पोखरों का निर्माण

मत्स्य बीज उत्पादन एवं संवर्धन हेतु जिले में 3 प्रक्षेत्रों की स्थापना की गई है। इसके अतिरिक्त किसानों की निजी भूमि में 148 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 590.166 लाख रुपये की लागत से नवीन तालाब एवं संवर्धन पोखरों का निर्माण किया गया है।

रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा में वृद्धि

मत्स्य पालन से जिले में 2500 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। 11 हजार 471 मछुवा हितग्राहियों को निःशुल्क दुर्घटना बीमा, 1900 हितग्राहियों को प्रशिक्षण, 450 हितग्राहियों को मछली जाल, आइस बॉक्स एवं मछली बीज प्रदान किया गया है।

आयुष्मान कार्ड और आयुष्मान वय कार्ड पंजीयन में नांदगांव आगे

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं एवं सुविधाओं के उन्नयन हेतु निरंतर और प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। शासन की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के माध्यम से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसी क्रम में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड एवं आयुष्मान वय वंदना कार्ड पंजीयन में राजनांदगांव जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा है।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत जिले में आयुष्मान वय वंदना कार्ड के लिए निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 100.20 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की गई है। इसके साथ ही राजनांदगांव जिला राज्य का सर्वप्रथम शत-प्रतिशत पंजीयन पूर्ण करने वाला जिला बन गया है। जिले में 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के 25 हजार 138 पात्र वरिष्ठ नागरिकों में से 25 हजार 88 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया है।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत जिले में आयुष्मान कार्ड पंजीयन का लक्ष्य 9 लाख 52 हजार 546 के विरुद्ध 9 लाख 37 हजार 461 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया है, जो कि 98.42 प्रतिशत उपलब्धि है। इस उपलब्धि के साथ आयुष्मान कार्ड पंजीयन में भी राजनांदगांव जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर है।

स्वास्थ्य विभाग जिले के सभी पात्र हितग्राहियों के घर-घर जाकर आयुष्मान वय वंदना कार्ड पंजीयन का कार्य पूर्ण किया गया है। इस अभियान के माध्यम से कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित किया गया।

वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा अतिरिक्त निःशुल्क उपचार लाभ

आयुष्मान वय वंदना कार्ड के अंतर्गत पात्र वरिष्ठ नागरिकों को शासकीय एवं निजी चिकित्सालयों में 5 लाख रुपये तक का अतिरिक्त निःशुल्क उपचार प्रदान किए जाने का प्रावधान है। इससे बुजुर्गों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ प्राप्त हो रही हैं।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सुरक्षा कवच

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क, कैशलेस एवं पेपरलेस उपचार सार्वजनिक एवं निजी अस्पतालों में उपलब्ध कराया जा रहा है। यह योजना शासन की एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य बीमा पहल है।

10 जनवरी से 25 फरवरी तक प्रदेशभर में मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान चलाएगी कांग्रेस

रायपुर। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने आज राजीव भवन में कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी)और नवनियुक्त जिला अध्यक्षों की संयुक्त बैठक ली, जिसमें कांग्रेस ने मनरेगा को लेकर केंद्र सरकार पर राज्यों पर बोझ डालने का आरोप लगाते हुए बड़े आंदोलन करने का ऐलान किया। बैठक में 10 जनवरी से 25 फरवरी तक प्रदेशभर में वीबी-ग्राम-जी विधेयक के खिलाफ मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान चलाने का निर्णय लिया। इस दौरान कांग्रेसी रोजगार अधिकार के लिए सड़क पर उतरेंगे और यह आंदोलन ग्राम पंचायत से विधानसभा तक किया जाएगा। प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस मुख्यालय पर पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी और नवनियुक्त जिला अध्यक्षों के साथ बैठक की गई। बैठक का मुख्य एजेंडा मनरेगा था, जिसे केंद्र सरकार दुर्भावनावश नाम बदलकर पूरी तरह समाप्त करने में लगी हुई है। एआईसीसी के निर्देशानुसार 10 जनवरी को मनरेगा के मुद्दे पर सभी जिलों में प्रेसवार्ता आयोजित की जाएगी।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

सारा अर्जुन बनीं सबसे लोकप्रिय स्टार थलापति विजय और प्रभास को छोड़ा पीछे आईएमडीबी ने जारी की सूची

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' रिलीज के एक महीने बाद भी बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई है और शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म की सफलता से फिल्म के कलाकारों की भी लोकप्रियता में इजाफा हुआ है। सिर्फरणवीर सिंह और अक्षय खन्ना ही नहीं बल्कि फिल्म की हीरोइन सारा अर्जुन को भी 'धुरंधर' की सफलता से फायदा मिला है। तभी सारा इस हफ्ते आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पहले स्थान पर पहुंच गई हैं। इस मामले में उन्होंने प्रभास और थलापति विजय जैसे कई बड़े दिग्गजों को पीछा छोड़ा है।

आईएमडीबी ने अपनी साप्ताहिक लोकप्रियता रैंकिंग जारी की। ये दुनिया भर के लाखों प्रशंसकों के पेज व्यू और यूजर एंगेजमेंट के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में सारा अर्जुन, जो पिछले हफ्ते दूसरे स्थान पर थीं, इस बार शीर्ष पर पहुंच गईं। उन्होंने इस मामले में थलपति विजय, प्रभास और अगस्त्य नंदा सहित भारतीय सिनेमा के कुछ बड़े नामों को पीछे छोड़ दिया। सारा अर्जुन की इस सफलता का श्रेय काफी हद तक 'धुरंधर' को जाता है, जो कि इतनी बड़ी हिट फिल्म बनी।

आईएमडीबी ने दी जानकारी

आईएमडीबी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'इस सप्ताह की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में अपने पसंदीदा सितारों को पहचानें। यह सूची 'पॉपुलर इंडियन सेलेब्रिटीज' द्वारा प्रस्तुत की गई है, जो आईएमडीबी का एक साप्ताहिक फीचर है और इसमें विश्व स्तर पर ट्रेंड कर रहे भारतीय सितारों को दिखाया जाता है। अभिनेता, निर्देशक, सिनेमैटोग्राफर, लेखक और अन्य। हमेशा की तरह यह सूची दुनिया भर के 2 करोड़ से अधिक फैंस द्वारा तय की जाती है।'

थलापति विजय आठवें और अगस्त्य नंदा 12वें स्थान पर रहे

सारा के अलावा इस सूची में दूसरे नंबर पर 'धुरंधर' के निर्देशक आदित्य धर रहे, जो पिछले हफ्ते तीसरे नंबर पर थे। हफ्ते के अन्य लोकप्रिय स्टार्स की लिस्ट में थलापति विजय आठवें स्थान और अगस्त्य नंदा 12वें स्थान पर रहे। इसके अलावा भाग्यश्री बोरसे 15वें, सिबी चक्रवर्ती 16वें, यामी गौतम 17वें, प्रभास 19वें और श्रीराम राघवन 22वें स्थान पर रहे। जबकि तारा सुतारिया 24वें, दिंजित अय्याथन 27वें, निविन 30वें और सिमर भाटिया 42वें स्थान पर रहीं।

आलिया भट्ट ने की रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' की तारीफ, लिखा- 'आज के भारत की आवाज

आदित्य धर के निर्देशन में बनी जासूसी थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' 5 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म लगातार बॉक्स ऑफिस पर अपना कमाल दिखा रही है। इसी बीच आलिया ने 'धुरंधर' की तारीफमें एक पोस्ट सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है और साथ ही 'धुरंधर' को 'आज के भारत की आवाज' बताया है।

आलिया भट्ट अपने पति रणबीर कपूर और बेटी राहा के साथ नए साल की छुट्टियां मनाकर लौटी हैं। गुरुवार को उनके प्रोडक्शन हाउस 'एटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस' के सोशल मीडिया पर 'धुरंधर' टीम के लिए एक संदेश पोस्ट किया गया। आलिया ने फिल्म को 'आज के भारत की आवाज' बताया और बहुत सराहाना की है।

सोशल मीडिया पर आलिया ने 'धुरंधर' के लिए लिखा और साथ ही इसे अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया। आलिया ने लिखा, 'यह आज के भारत की आवाज है। यह आज के भारत की पसंद है। यह इतिहास के एक अध्याय पर आधारित है। अब यह भारत के सिनेमा इतिहास का नंबर एक अध्याय बन गया है। 'धुरंधर' को सलाम। पूरी टीम को बधाई। आपने न सिर्फ धूम मचाई, बल्कि सिनेमाघरों में फिर से रौनक ला दी। अगर पहला भाग सर्दियों में इतना कमाल कर गया, तो दूसरा भाग वसंत में क्या करेगा?'

'धुरंधर' के बारे में

फिल्म 'धुरंधर' ने 35वें दिन गुरुवार को अभी तक 2.14 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। वहीं इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक 788.14 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। इस फिल्म में अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी, सारा अर्जुन, और दानिश पैंडोर जैसे कलाकारों ने अहम भूमिका निभाई है।

रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म करना चाहती हैं दीपिका पादुकोण, बोलीं- मैं और मेरी टीम इसकी तलाश में

हाल ही में दीपिका पादुकोण ने मुंबई में अपने फैंस के लिए एक स्पेशल फैन मीट सेशन रखा था। इस दौरान एक्ट्रेस देश भर के 50 फैंस से मिलीं। इस सेशन में फैंस ने दीपिका से खूब सवाल पूछे और उन्होंने सबका जवाब भी दिया। सेशन के दौरान एक्ट्रेस से पूछा गया कि वो कब किसी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगी? इस पर उन्होंने जवाब दिया- 'मुझे पूरी उम्मीद है कि बहुत जल्द। जैसा कि आप सभी जानते हैं, यह मेरी पसंदीदा जोनर है। एक ऑडियंस के तौर पर भी और एक एक्ट्रेस के तौर पर भी।

मुझे लगता है कि अभी का माहौलज् दर्शक कुछ अलग देखना चाहते हैं। लेकिन अगर आप में से इतने सारे लोग रोमांटिक कॉमेडी देखना चाहते हैं, तो मुझे यकीन है कि पब्लिक का एक बड़ा हिस्सा यही चाहती है।'

जैसे ही दीपिका ने यह कहा एक फैन ने ऋतिक रोशन का नाम लिया। सेशन के होस्ट ने इस बात पर वहां मौजूद फैंस से एक एक पोल कराया कि रोमांटिक कॉमेडी में दीपिका को किसके साथ काम करना चाहिए... ऋतिक रोशन, शाहरुख खान या उनके पति रणवीर सिंह।

फैंस ने शाहरुख और ऋतिक के नाम पर चीयर किया लेकिन सबसे ज्यादा रणवीर सिंह के नाम को समर्थन मिला। बातचीत के दौरान, दीपिका ने शाहरुख खान, रणवीर सिंह या रणबीर कपूर के साथ एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में स्क्रीन साझा करने की संभावना के बारे में बात की और स्वीकार किया कि वो इस जोनर में अच्छी कहानियों की तलाश कर रही हैं। ऐसी अफवाह चल रही है कि दीपिका अयान मुखर्जी की अगली रोमांटिक फिल्म के लिए रणबीर कपूर के साथ काम कर सकती हैं। हालांकि, इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

उन्होंने कहा- 'यह ऐसी चीज है जिसकी तलाश में मैं और मेरी टीम लगी रहती हैं। हम लगातार ड्रामा, लव स्टोरी, रोमांटिक कॉमेडी, जैसे जोनर की फिल्में ढूंढते रहते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि इस तरह के कंटेंट को सपोर्ट करने वाले या इस समय इस तरह की फिल्में और टीवी शो लिखने वाले बहुत कम मेकर्स हैं।' दीपिका ने अपने फैंस से यह भी पूछा कि क्या वे रोमांटिक कॉमेडी फिल्म को ओटीटी पर देखना पसंद करेंगे या थिएटर में। फैंस ने जवाब में थिएटर कहा। फिर दीपिका ने पूछा- 'अगर मैं ओटीटी पर काम करूं तो क्या आप नाराज होंगे?' एक फैन ने जवाब दिया- 'आप बड़े पर्दे के लिए ही बनी हैं।' एक अन्य फैन ने मजाकिया अंदाज़ में कहा- 'जब तक आपका किरदार नहीं मरता, तब तक सब ठीक है।' दीपिका हंसते हुए कहती हैं- 'मेरी मां भी यही कहती रहती हैं।

वध-2 का नया पोस्टर आया सामने 2 फरवरी को होगी रिलीज

संजय मिश्रा और नीना गुप्ता की जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर एक नई कहानी लेकर आ रही है। ये जोड़ी साल 2022 में आई फिल्म 'वध' के दूसरे पार्ट 'वध 2' को लेकर आ रही है। आज 'वध 2' से नए पोस्टर सामने आए हैं। इसके साथ ही फिल्म को लेकर लोगों का उत्साह दिन पर दिन बढ़ रहा है।

मेकर्स की ओर से 'वध 2' से जारी किए गए नए पोस्टर्स में संजय मिश्रा और नीना गुप्ता नजर आ रहे हैं। पोस्टर्स में दोनों सितारे इंटेंस लुक दे रहे हैं। इसमें से एक पोस्टर में संजय मिश्रा पुलिस की वर्दी में नजर आ रहे हैं। जबकि नीना गुप्ता सफेद रंग के आउटफिट में दिख रही हैं। इन पोस्टर्स को शेयर करते हुए संजय मिश्रा ने कैप्शन में लिखा, 'कभी-कभी आप जो देखते हैं, वो पूरा सच नहीं होता।' इसके साथ ही फिल्म की रिलीज का काउंटडाउन भी शुरू हो गया है। 'वध 2' 6 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। लव रंजन के प्रोडक्शन हाउस लव फिल्म्स द्वारा निर्मित 'वध 2' को जसपाल

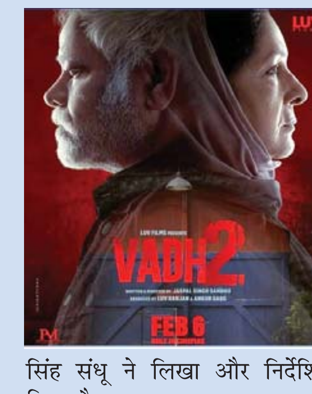

सिंह संधू ने लिखा और निर्देशित किया है।

पारंपरिक कपड़ों के साथ इस तरह करें मेकअप, लगेंगी सबसे ज्यादा खूबसूरत

पारंपरिक कपड़े जैसे साड़ी, सलवार-कमीज और लहंगा-चोली पहनने का अपना एक अलग ही मजा है। ये न केवल आपको शाही अंदाज देते हैं, बल्कि आपके पूरे लुक को खास बना देते हैं। हालांकि, सही मेकअप न करने पर ये लुक अधूरा सा लगता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे मेकअप के तरीके बताएंगे, जो पारंपरिक कपड़ों के साथ अच्छे लगेंगे और आपके चेहरे को निखार देंगे।

पारंपरिक कपड़ों के साथ भारी फाउंडेशन लगाने की जरूरत नहीं होती। इसके बजाय हल्का फाउंडेशन या बीबी क्रीम लगाएं। यह न केवल आपकी त्वचा को आराम देगा, बल्कि आपके चेहरे को प्राकृतिक रूप से निखार देगा। हल्का फाउंडेशन या बीबी क्रीम आपकी त्वचा को हवा लगने देता है और उसे चमकदार बनाता है। इससे आपका मेकअप लंबे समय तक सही बना रहेगा और आपको एक ताजगी भरा लुक मिलेगा, जो पारंपरिक कपड़ों के साथ बहुत ही सुंदर लगेगा।

आंखों पर ध्यान दें

आंखों का मेकअप पारंपरिक लुक में अहम भूमिका निभाता है। आंखों के लिए काजल और मस्करा का सही उपयोग करें ताकि आपकी आंखें बड़ी और आकर्षक दिखें। इसके अलावा आप अपनी आंखों को और भी खूबसूरत बनाने के लिए हल्के चमकदार आईशैडो का उपयोग कर सकती हैं। इससे आपकी आंखें चमकदार दिखेंगी और आपका पूरा लुक और भी खास लगेगा। काजल और मस्करा का सही उपयोग करके आप अपनी आंखों को निखार सकती हैं।

हल्के शेड की लिपस्टिक लगाएं

पारंपरिक कपड़ों के साथ हल्के शेड की लिपस्टिक लगाना सबसे अच्छा रहता है। गुलाबी या नारंगी शेड की लिपस्टिक आपके होंठों को निखार देगी और आपके चेहरे पर ताजगी लाएगी। अगर आप चाहें तो लिपस्टिक के ऊपर हल्की ग्लॉस भी लगा सकती हैं, जिससे आपके होंठ और भी आकर्षक दिखें। हल्के शेड की लिपस्टिक न केवल आपको एक सुंदर लुक देती है, बल्कि यह आपके पूरे मेकअप को संतुलित भी बनाती है। इससे आप बेहद खूबसूरत लगेंगी।

गालों पर हल्का रंग लगाएं

गालों पर हल्का रंग लगाना न भूलें। यह आपके चेहरे को ताजगी भरा और जीवंत बनाएगा। गालों पर हल्का सा गुलाबी या आड़ू रंग का ब्लश लगाने से आपका चेहरा चटकदार दिखेगा और आपकी मुस्कान में भी निखार आएगा। इसके अलावा यह आपके पूरे मेकअप को संतुलित भी बनाएगा। सही तरीके से ब्लश लगाने पर आपका लुक और भी खास लगेगा और आप हर मौके पर आकर्षक दिखेंगी।

बालों को खुला छोड़ दें

बालों को खुला छोड़ना या जूड़ा बनाना आपके पारंपरिक लुक को पूरा कर सकता है। अगर आपने भारी गहने पहन रखे हैं तो बालों को खुला छोड़ना अच्छा रहेगा ताकि आपका लुक संतुलित दिखे, वहीं अगर आपने हल्के गहने पहने हैं तो जूड़ा बनाना बेहतर रहेगा, जिससे आपका चेहरा साफ दिखेगा। इस तरह आप अपने पारंपरिक कपड़ों के साथ सही मेकअप और हेयरस्टाइल चुनकर हमेशा आकर्षक दिख सकती हैं।

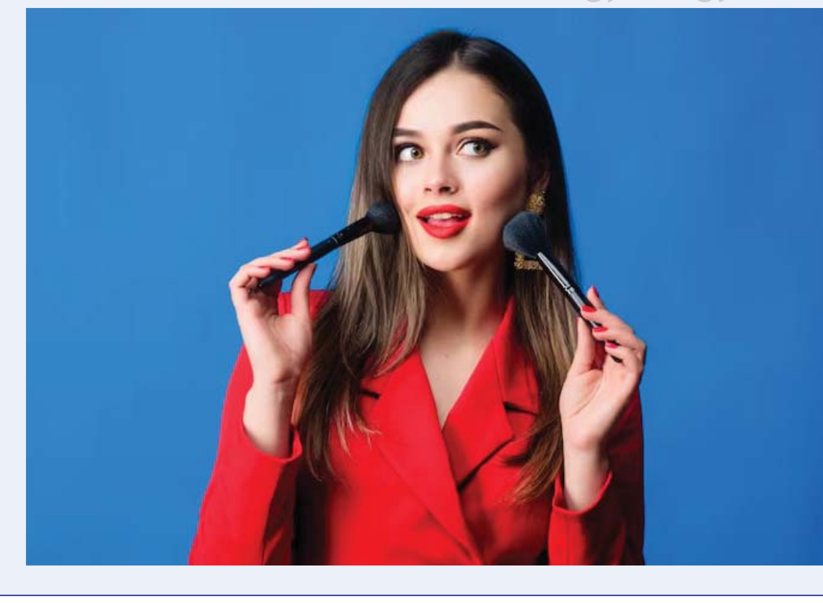

खास खबर

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर सशक्त कदम

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से सौर ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए देश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। यह योजना आम नागरिकों को बिजली बिल से राहत देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती प्रदान कर रही है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत राजनांदगांव की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर ने अपने निवास ग्राम पार्रीकला में 3 किलोवॉट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया है। सोलर पैनल की स्थापना के बाद उन्हें योजना का प्रत्यक्ष और दीर्घकालीन लाभ मिल रहा है। श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर ने बताया कि योजना के अंतर्गत उन्हें 3 किलोवॉट के सोलर पर केंद्र शासन से 78 हजार रुपये तथा राज्य शासन से 30 हजार रुपये, कुल 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी शीघ्र ही सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हुई। इससे सोलर पैनल स्थापना की लागत में उल्लेखनीय कमी आई। उन्होंने कहा कि सोलर पैनल लगाए जाने से उनके निवास का बिजली बिल शून्य हो गया है, जिससे घरेलू खर्च में बड़ी राहत मिली है। सौर ऊर्जा से प्राप्त बिजली पूरी तरह इको-फ्रेंडली है और भविष्य के लिए सुरक्षित व टिकाऊ विकल्प है। श्रीमती चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना न केवल नागरिकों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि प्राकृतिक ऊर्जा आधारित बिजली उत्पादन को भी प्रोत्साहित कर रही है, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बल मिल रहा है।

टीबी उन्मूलन की दिशा में जिला प्रशासन के अभियान में लॉयन्स क्लब की सहभागिता

कोरबा। जिले में टीबी उन्मूलन अभियान को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने टीबी मरीजों को पोषण आहार किट का वितरण किया। उन्होंने मरीजों से आत्मीय बातचीत कर उनका हालचाल जाना और उपचार संबंधी आवश्यक सुझाव भी दिए। कलेक्टर दुदावत ने कहा कि टीबी का उपचार पूरी तरह संभव है। नशा, अनुपयोगी खानपान और अस्वास्थ्यकर आदतों के कारण यह बीमारी किसी को भी हो सकती है, लेकिन समय पर जांच और उपचार से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि टीबी को जड़ से खत्म करने के लिए लगातार छह माह तक की नियमित दवा का सेवन आवश्यक है। डॉट्स पद्धति के तहत मिलने वाली दवाओं को समय पर लेना बेहद जरूरी है, अन्यथा बैक्टीरिया दोबारा सक्रिय होकर मरीज को फिर बीमार कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि उपचार अवधि में मरीजों को पूरक पोषण आहार, स्वच्छता और सावधानियों का पालन करना चाहिए ताकि शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़े और इलाज अधिक प्रभावी हो सके। कलेक्टर श्री दुदावत ने यह जानकारी भी दी कि जिले में टीबी उन्मूलन की दिशा में एक सशक्त अभियान चलाया जा रहा है। निक्षय निरामय मित्र के माध्यम से टीबी मरीजों की पहचान और उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है। जिले में एक कॉल सेंटर स्थापित कर अधिक से अधिक एक्स-रे जांच कर मरीजों को उपचार से जोड़ने की पहल की गई है। उन्होंने बताया कि नई एक्स-रे मशीन प्राप्त करने की प्रक्रिया भी जारी है, जिससे आने वाले समय में जांच सुविधाएं और सुलभ हो सकेंगी। वनरेबल क्षेत्रों में संभावित टीबी रोगियों की पहचान कर उन्हें उपचार से जोड़ने की दिशा में भी तेजी से काम हो रहा है।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का जमीनी स्तर पर हो बेहतर क्रियान्वयन : मंत्री लखनलाल देवांगन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वनमंडलाधिकारी पंकज सिंह राजपूत, जिला पंचायत सीईओ प्रेम कुमार पटेल, अपर कलेक्टर सुरेंद्र कुमार ठाकुर सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में प्रभारी मंत्री श्री देवांगन ने केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक पहुँचना चाहिए और इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को जिम्मेदारीपूर्वक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए जनहित को सर्वोपरि रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि योजनाओं की सफलता तभी संभव है, जब उनका वास्तविक लाभ आम नागरिकों को मिले। बैठक में प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा है कि शासन की हर योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। उन्होंने कहा कि खैरागढ़ एक नया जिला है, संसाधनों की सीमाएँ हैं, लेकिन आने वाले समय में सरकार क्षेत्र के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं आने देगी।

शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री श्री देवांगन ने विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नियमित कक्षाओं एवं सतत मूल्यांकन पर जोर देते हुए कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने, शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा अभिभावकों से समन्वय बढ़ाने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने जिले में सभी पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड एवं व्यवंदन कार्ड शत-प्रतिशत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन कार्डों के माध्यम से उपचार की सुविधा सभी शासकीय एवं निजी अस्पतालों में उपलब्ध हो तथा योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर हितग्राहियों को बिना किसी बाधा के लाभ दिलाया जाए।

जल जीवन मिशन की समीक्षा में मंत्री श्री देवांगन ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्देशित किया कि केवल योजना पूर्ण करना ही नहीं, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि हर घर तक नियमित रूप से शुद्ध पेयजल पहुँचे।

कलेक्टर श्री इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने बैठक में जिले में किए जा रहे नवाचारपूर्ण एवं जनहितकारी कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले की पहचान सशक्त करने हेतु जिला लोगो निर्माण, जिला थीम एवं प्रोफेशनल वीडियोग्राफी कराई गई है।

कृषि एवं आजीविका संवर्धन के क्षेत्र में पान के विकास, खेक्सी की आधुनिक खेती, स्वर्णोपज महिला किसान उत्पादक समूह तथा 'नमो ड्रोन दीदी' पहल के माध्यम से किसानों एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। युवाओं के लिए 'प्रज्ञावृत्ति स्टूडियो' की स्थापना कर कैरियर मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। घोटा पुलिस कैंप क्षेत्र में रोजगारमूलक गतिविधियाँ प्रारंभ की गई हैं। पर्यटन विकास के तहत छिंदारी के परिंदे एवं बैतल रानी देवगुड़ी को विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा राज्यपाल द्वारा गोद लिए गए ग्राम सोनपुरी में विकास कार्य तथा जनभागीदारी से प्लेनेटोरियम स्थापना जैसी पहल से शिक्षा एवं विज्ञान को बढ़ावा मिला है।

इस दौरान क्षेत्र के दोनों विधायकों ने भी मंत्री श्री देवांगन को जिले की समस्याओं से अवगत कराया गया। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, शिक्षा, श्रम, रोजगार, वन, महिला एवं बाल विकास, मत्स्य, उद्यानिकी सहित अन्य विभागीय योजनाओं की भी समीक्षा की गई।

धुन के पक्के प्रदीप ने अपनी जिद से बदली किस्मत की तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। धुन के पक्के लोग अपने संकल्प और परिश्रम से न केवल स्वयं का जीवन संवारते हैं, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणा बनते हैं। वैशाली नगर, राजनांदगांव निवासी प्रदीप कुमार रामराव देशपांडे ने अपने दृढ़ इरादों से यह सिद्ध कर दिखाया है कि सही योजना और मेहनत के सहारे आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव रखी जा सकती है।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना भारत सरकार की एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जो खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के छोटे उद्यमियों (सूक्ष्म उद्यमों) को सशक्त बनाने, उन्हें औपचारिक बनाने और बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई है, जिसके तहत नए और मौजूदा उद्यमों को ऋण-आधारित सब्सिडी (35 प्रतिशत तक, अधिकतम 10 लाख रुपये), ब्रांडिंग और मार्केटिंग सहायता, सामान्य बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षण जैसी मदद मिलती है, जिससे वे आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल के तहत प्रतिस्पर्धा कर सकें और आय बढ़ा सकें।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के अंतर्गत श्री प्रदीप कुमार रामराव देशपांडे ने अपना उद्योग प्रारंभ कर स्वरोजगार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। इस योजना ने उन्हें न केवल आर्थिक सहायता प्रदान की, बल्कि नवाचार और उद्यमिता के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया।

प्रदेश में उपलब्ध लघुवनोपज की व्यापक संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए उन्होंने चिरौंजी, हर्रा एवं बहेरा पर आधारित प्रोसेसिंग उद्योग की स्थापना की। इस उद्योग के लिए मशीन एवं शेड निर्माण हेतु कुल 5 लाख 50 हजार रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ, जिसमें से प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत 2 लाख 13 हजार 500 रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ।

उद्योग की स्थापना के साथ ही श्री देशपांडे ने कौरिनभाठा स्थित संस्कारधानी महिला कृषक अभिरुचि स्वसहायता समूह की महिलाओं को रोजगार से जोड़ा। इससे महिलाओं को नियमित आय का साधन मिला और वे आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हुईं, जिससे उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति में भी सकारात्मक परिवर्तन आया।

योजना से प्राप्त राशि का उपयोग कर उन्होंने आईटीआई मुंबई से चिरौंजी डिकॉल्डीकेटर मशीन क्रय की। इस मशीन के माध्यम से चिरौंजी का छिलका अलग कर गिरी निकाली जाती है, वहीं छिलकों से चारकोल का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही चिरौंजी, हर्रा एवं बहेरा की गिरी से तेल निष्कर्षण तथा हर्रा-बहेरा डिकॉल्डीकेटर मशीन द्वारा छाल पृथक्करण का कार्य भी किया जा रहा है।ग्रामीण एवं वनीय क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की असुविधा को ध्यान में रखते हुए श्री देशपांडे ने अपने प्रोसेसिंग यूनिट को सोलर प्लांट से संचालित किया है। सोलर ऊर्जा के उपयोग से बिजली बिल शून्य हो गया है और उत्पादन कार्य में निरंतरता बनी हुई है, जिससे लागत में भी उल्लेखनीय कमी आई है। चिरौंजी, हर्रा और बहेरा उत्पादों की बाजार में निरंतर मांग के चलते उनका व्यवसाय अब छत्तीसगढ़ के साथ-साथ महाराष्ट्र, झारखंड और ओडिशा तक विस्तारित हो चुका है। इस व्यवसाय से उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 4 लाख रुपये की आय प्राप्त हो रही है, जिससे उनका जीवनस्तर बेहतर हुआ है। इस पहल से वनीय क्षेत्रों में लघुवनोपज के संग्रहण, पौध संरक्षण एवं सतत आजीविका के प्रति जागरूकता बढ़ी है।

35 तीर्थयात्रियों का दल श्रीरामलला दर्शन के लिए अयोध्याधाम के लिए रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। सभापति नूतन सिंह ठाकुर ने वरिष्ठ पार्षद अशोक चावलानी, हितानंद अग्रवाल अपर आयुक्त विनय मिश्रा व अन्य पार्षदगणों की उपस्थिति में श्रीरामलला दर्शन योजना के तहत 35 तीर्थयात्रियों के दल को पवित्र अयोध्याधाम के लिए निगम कार्यालय साकेत भवन से रवाना किया। उन्होने तीर्थयात्री बस को हरी झण्डी दिखाई एवं तीर्थयात्रियों को तिलक लगाकर व पुष्पमाला पहनाकर उन्हें अपनी शुभकामना व बधाईयाँ दी। इस अवसर पर मेयर इन काउंसिल सदस्य ममता यादव, अपर आयुक्त विनय मिश्रा, उपायुक्त बी.पी.त्रिवेदी, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, निगम सचिव रामेश्वर सिंह कंवर, अरविंद सिंह, दीनदयाल साहू, संजय भास्कर, संतोष यादव, दानेश्वर, छन्नू सिंह आदि के साथ अन्य लोग उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ सरकार की महती योजना श्रीरामलला दर्शन योजना के अंतर्गत प्रदेश के नागरिकों को पवित्र अयोध्याधाम ले जाकर भगवान श्रीरामलला जी के दर्शन प्रतिमाह कराए जा रहे हैं, जिसका सम्पूर्ण व्यय शासन द्वारा वहन किया जाता है। इसी कड़ी में इस माह भी कोरबा से 35 तीर्थयात्रियों का दल श्रीरामलला दर्शन हेतु अयोध्याधाम के लिए रवाना हुआ, बिलासपुर के उस्लापुर रेलवे स्टेशन पहुंचा, वहाँ से विशेष ट्रेन द्वारा तीर्थयात्री अयोध्याधाम पहुंचकर श्रीरामलला जी के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे।

समर्थन मूल्य और कृषक उन्नति योजना ने बदली कोरबा के किसान जेठूसिंह कंवर की तकदीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा । जिले के कोरबा ब्लॉक के ग्राम भटगांव के मेहनतकश किसान जेठूसिंह कंवर आज अपनी मेहनत और सरकार की योजनाओं के सहयोग से खुशहाल जीवन जी रहे हैं। उनके पास 4 एकड़ 65 डिसमिल कृषि भूमि है, जिसमें वे मुख्य रूप से धान की खेती करते हैं। जेठूसिंह बताते हैं कि सरकार द्वारा किसानों के लिए उठाए गए कदम और बढ़ा हुआ समर्थन मूल्य उनके लिए बड़ी राहत साबित हुआ है।

वे बताते हैं कि धान का समर्थन मूल्य बढ़कर प्रति क्विंटल 3100 रुपये हो जाने से किसानों को उचित दाम मिलने लगे हैं। इससे खेती करना लाभकारी हुआ है और किसान फसल उत्पादन के लिए और अधिक प्रोत्साहित हुए हैं। जेठूसिंह कंवर ने इस वर्ष अपने खेत से 65 क्विंटल धान बेचकर अच्छी आमदनी प्राप्त की है। उनका कहना है कि पिछले वर्ष भी उन्होंने लगभग इतनी ही मात्रा में धान बेचा था और उस समय प्राप्त राशि से उन्होंने अपने बच्चों की शादी जैसे बड़े पारिवारिक दायित्व को सफलतापूर्वक पूरा किया था।

जेठूसिंह बताते हैं कि कृषक उन्नति योजना के माध्यम से समर्थन मूल्य के अतिरिक्त मिलने वाली राशि ने किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत किया है। योजना से मिलने वाला टॉप-अप उनके लिए बोनस की तरह है, जिसने खेती को और अधिक स्थिर और लाभकारी बनाया है।उन्होंने यह भी बताया कि धान खरीदी केंद्रों में किसानों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। तौल मशीन, पानी, छाया और व्यवस्थापन के कारण किसान बिना किसी परेशानी के अपना धान बेच पाते हैं। सुव्यवस्थित व्यवस्था के कारण किसानों का समय भी बचता है और आय भी सुनिश्चित होती है।

डायल 108 संजीवनी एक्सप्रेस बनी जशपुर जिले की जीवन रेखा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा जिलेवासियों को दी गई 10 अतिरिक्त संजीवनी एक्सप्रेस एंबुलेंसों की सौगात के बाद आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सशक्त हुई हैं। वर्तमान में जिले में कुल 24 संजीवनी एक्सप्रेस एंबुलेंस जीवन रक्षक बनकर दिन-रात जिले के शहरी एवं ग्रामीण अंचलों में दौड़ रही हैं।

जिले के संजीवनी एक्सप्रेस 108 के प्रबंधक दीपक साहू ने बताया कि वर्ष 2025 के दौरान डायल 108 संजीवनी एक्सप्रेस एंबुलेंस सेवा के माध्यम से जिले में कुल 10,114 मरीजों को समय पर आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई गई। सड़क दुर्घटनाओं, गंभीर बीमारियों, हृदयाघात, सर्पदंश तथा प्रसूति जैसे आपात मामलों में इन एंबुलेंसों ने अहम भूमिका निभाई है।

डायल 108 संजीवनी एक्सप्रेस एंबुलेंस से 2025 में 572 गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। कई मामलों में एंबुलेंस के भीतर ही सफल प्रसव कराकर माँ और नवजात की जान बचाई गई, जो एंबुलेंस में उपलब्ध आधुनिक उपकरणों एवं प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की तत्परता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रदान की गई अतिरिक्त 10 एंबुलेंसों के चलते दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों तक भी त्वरित स्वास्थ्य सहायता सुनिश्चित हो पाई है। इससे न केवल प्रतिक्रिया समय में कमी आई है, बल्कि ग्रामीण अंचलों के लोगों को भी समय पर जीवन रक्षक चिकित्सा सुविधा मिल रही है।जिलेवासियों का कहना है कि संजीवनी एक्सप्रेस एंबुलेंस सेवा ने आपात स्थिति में भरोसेमंद सहारा बनकर स्वास्थ्य व्यवस्था में नई मजबूती दी है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले की स्वास्थ्य सेवाएं निरंतर सुदृढ़ होती जा रही हैं, जिसका सीधा लाभ आम जनता को मिल रहा है।

साहू समाज का सामूहिक विवाह कार्यक्रम सामाजिक उत्थान की मिसालः मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजिम भक्तिन माता एवं माता कर्मा के बताए संदेश मानव समाज के लिए कल्याणकारी है, हमें उनके संदेशों का अनुसरण करना चाहिए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजिम के त्रिवेणी संगम में आयोजित भक्त माता राजिम जयंती महोत्सव को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने भगवान श्री राजीव लोचन एवं भक्त माता राजिम की पूजा अर्चना कर प्रदेश और समाज की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने साहू सृजन पत्रिका का विमोचन किया। साहू समाज द्वारा मुख्यमंत्री का गजमाला पहनाकर स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने राजिम माता भक्ति जयंती की बधाई देते हुए कहा कि साहू समाज समृद्ध और शिक्षित समाज है जो हर दृष्टिकोण से समृद्ध रहा है। साहू समाज का इतिहास भी समृद्ध रहा है। हम सबको दानवीर भामाशाह,बाबा सत्यनारायण जी का आशीर्वाद मिल रहा है। यह समाज निरंतर विकास करें। यही कामना है। जब समाज एक जुट होगा तो केवल समाज ही नहीं प्रदेश और देश भी शक्तिशाली और समृद्ध बनता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने साहू समाज के सामूहिक विवाह को अनुकरणीय पहल बताते हुए कहा कि राजिम माता ने जिस साहू समाज को अपनी मेहनत और त्याग से संगठित किया, आज वह समाज शिक्षा, कृषि व व्यवसाय सहित सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम राजिम माता के आशीर्वाद से हर गारंटी को पूरा कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ खनिज, वन, उर्वरा से भरपूर है। अब नक्सलवाद से जवान पूरी ताकत से लड़ रहे हैं। हम सबका संकल्प है कि 31 मार्च तक बस्तर को नक्सल मुक्त कर देंगे। राज्य के विकास में बाधक नक्सलवाद अब खत्मा की ओर है। राज्य को हम सब समृद्धि की दिशा में लेकर जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज सिरकट्टी आश्रम में भव्य राम जानकी मंदिर में धर्म ध्वजा की स्थापना की गई। इस पुण्य अवसर पर हमें शामिल होने का सौभाग्य मिला। जैसे अयोध्या धाम में धर्म ध्वजा स्थापना किए हैं, उसी तर्ज पर यहां कुटेना में भी धर्म ध्वजा स्थापित किया गया है। मेरा सौभाग्य है कि एक साल पहले भी इस अवसर पर शामिल होने का अवसर मिला था।

उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने कहा कि साहू समाज एक संगठित समाज के रूप में जाना जाता है। आज हम सभी राजिम माता की जयंती मनाने आये हैं। उन्होंने कहा कि त्रिवेणी संगम के इस पावन धरती से प्रेरणा लेकर जाएंगे और मिलकर समाज के विकास के लिए काम करेंगे। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि माता राजिम भक्तीन की महिमा का बखान करते हुए कहा कि राजिम त्याग, भूमि तपस्या, साधना और श्रम की भूमि है। भगवान को खिचड़ी खिलाने वाले समाज से हमारा समाज का नाता है। हम अपने पुरखों के योगदान को याद करके समाज को आगे ले जा सकते हैं। शिक्षा और संस्कार भी जरूरी है।

इस अवसर पर साहू समाज के प्रतिनिधिगण सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

राजनांदगांव कोर्ट में झूठी निकली बम की सूचना परिसर की जांच में नहीं मिला कुछ भी आपत्तिजनक

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिला एवं सत्र न्यायालय में आज सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। यह धमकी एक अज्ञात ईमेल के माध्यम से जिला न्यायालय की वेबसाइट पर वीपीएन का उपयोग करके भेजी गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया और तुरंत कार्रवाई शुरू की गई। हालांकि जांच के बाद कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला।

धमकी मिलने के तुरंत बाद, पुलिस अधीक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ डॉग स्क्वॉड और बम स्क्वॉड की टीमें तत्काल जिला न्यायालय परिसर पहुंचीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, पूरे न्यायालय परिसर को खाली करा लिया गया। वकील, न्यायाधीश और आम जनता को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद, बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्तों ने पूरे परिसर की सतर्कता से जांच की।

कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली, कार्य पुनः शुरू

लगभग तीन घंटे से अधिक समय तक चली गहन जांच के दौरान, न्यायालय परिसर में कोई भी संदिग्ध या आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली। सुरक्षा सुनिश्चित होने के बाद, जिला न्यायालय में सामान्य कामकाज फिर से शुरू कर दिया गया। इस घटना के कारण न्यायालय का कामकाज तीन घंटे से अधिक समय तक बाधित रहा।

अज्ञात ईमेल की जांच जारी

पुलिस अज्ञात ईमेल भेजने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों का पता लगाने के लिए जांच कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि मेल किस स्थान से भेजा गया था और इसके पीछे क्या मंशा थी। पुलिस की टीम इस मेल को ट्रेस करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। पुलिस प्रशासन ने आने-जाने वाले लोगों की भी जांच की जा रही है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

दुर्ग न्यायालय में अलर्ट, अधिवक्ताओं ने मांगीं अतिरिक्त सुरक्षा

दुर्ग। राजनांदगांव कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद दुर्ग न्यायालय में भी एहतियातन पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है। दुर्ग एसपी के निर्देश पर रूटीन जांच के साथ-साथ बम की धमकी के मद्देनजर पूरे न्यायालय परिसर की सघन तलाशी ली गई। दुर्ग न्यायालय परिसर के चारों प्रवेश द्वारों पर डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं। कोर्ट आने-जाने वाले सभी लोगों की जांच की गई। इसके अतिरिक्त, डॉग स्क्वायड को बुलाकर परिसर में बम की तलाश की गई। पूरे परिसर और आसपास के इलाकों में लगभग 60 से अधिक पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है, जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा सके।

धमकी भरे ईमेल के बाद, जिले के अधिवक्ताओं ने न्यायालय परिसर की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। उनकी

प्रमुख मांगों में न्यायालय परिसर के सभी प्रवेश द्वारों पर सीसीटीवी कैमरे लगाना और एक चेक पोस्ट स्थापित करना शामिल है। अधिवक्ताओं का कहना है कि इससे संदिग्ध लोगों को न्यायालय परिसर में आसानी से प्रवेश करने से रोका जा सकेगा। प्रदेश में जनसंख्या के अनुरूप दुर्ग जिला दूसरा सबसे बड़ा न्यायालय होने के कारण, यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में पक्षकार और उनके वकील आते हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता होना अत्यंत आवश्यक है। इस मामले पर क्राइम ब्रांच डीएसपी अलेक्जेंडर किरो ने बताया कि दुर्ग एसएसपी के निर्देश पर प्रतिमाह रूटीन चेकिंग की जाती है। आज भी उसी क्रम में जांच की जा रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सुरक्षा को लेकर सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

खास खबर

किशोरी के अपहरण मामले में आरोपी को 20 साल कारावास

दुर्ग। किशोरी का अपहरण कर करीब दो महीने तक बंधक बनाकर अनाचार करने वाले आरोपी को कोर्ट ने दोषी करार दिया है। मामले में अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ एफ्टीएससी अनिष दुबे की अदालत ने आरोपी रोशन अंचल को 20 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही कुल 27 सौ रुपए के अर्थदंड से भी दंडित किया है। प्रकरण में अभियोजन की ओर से पैरवी रूप वर्षा दिल्लीवार ने की। उन्होंने बताया कि पीड़िता के पिता ने पद्मनाभपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी बेटी 14 मई की शाम करीब 7.30 बजे घर से निकली। फिर वापस नहीं आई। 16 मई 2024 को अपराध दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। करीब दो माह बाद पीड़िता ने परिजनों को कॉल कर तखतपुर मुंगेली में होने की जानकारी दी। बरामदगी के बाद उसने पूरे घटनाक्रम के बारे में बताया।

महिला को टोनही कहकर घर से निकाला, 3 पर केस दर्ज

भिलाई। महिला थाना पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर महिला की सास शिवकुमारी वर्मा, ससुर विजय वर्मा और सुरेश वर्मा के खिलाफ धारा 498ए, 34 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। महिला के पति की मौत के बाद ससुराल के लोग उसे टोनही बोलकर प्रताड़ित करने लगे। इसके बाद दहेज की मांग शुरू कर दी। नहीं देने पर घर से जबरदस्ती निकाल दिया, लेकिन उसकी बेटी को अपने पास रख लिया। मामले में धमधा निवासी पूनम वर्मा ने कोर्ट में परिवाद प्रस्तुत किया। प्रकरण के मुताबिक उसकी शादी अश्वनी वर्मा से 12 मई 2014 को हुई थी। उनकी एक 8 साल की बेटी काव्या भी है। पति की मौत 15 अक्टूबर 2018 को हो गई। इसके बाद से ससुराल वालों ने प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। मायके से 5 लाख लाने कहा। बात नहीं मानी तो घर से निकाल दिया।

बॉयफ्रेंड को पीटने पर किशोरी ने किया आत्महत्या का प्रयास

कोरबा। मानिकपुर चौकी क्षेत्र में दो पक्षों के बीच मारपीट की हुई घटना में घर बुलाकर बॉयफ्रेंड को पीटने से विवाद बढ़ गया। बॉयफ्रेंड के दोस्तों ने किशोरी के पिता के सिर पर हमला कर घायल कर दिया। वहीं तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया। इधर, किशोरी ने खुद को कमरे में बंद कर आत्महत्या का प्रयास किया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों पक्षों ने मानिकपुर चौकी में शिकायत दर्ज कराई है। 16 वर्षीय किशोरी बॉयफ्रेंड का मोबाइल घर लेकर आ गई। इसके बाद किशोरी के पिता ने कॉल कर बॉयफ्रेंड को घर बुलाकर पिटाई कर दी। इसके बाद उसने दोस्तों के साथ किशोरी के घर पर मारपीट और तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया। घर पर पत्थर भी फेंके गए। इस घटना में दोनों पक्षों के लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने इन सभी का मेडिकल परीक्षण कराया है। एएसपी ने बताया कि मानिकपुर में दो पक्षों में मारपीट हुई है।

किसान के खेत से पंप चोरी के मामले में तीन गिरफ्तार

जशपुर। चौकी पंडरा पाठ क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पोस्कट निवासी मनोज कुमार यादव ने 6 जनवरी को चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 29 दिसंबर 2025 को उसके सरसों के खेत में लगे सोलर प्लेट के समर सिबल पंप के स्टार्टर की चोरी कर ली गई है। प्रार्थी ने संदेह जताया कि यह चोरी ग्राम हेठ सेमरा निवासी भूपेन्द्र राम एवं विनोद यादव ने की है और सामान बेच दिया है। विवेचना के दौरान पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों संदिग्ध आरोपी भूपेन्द्र राम एवं विनोद यादव को पंडरा पाठ क्षेत्र में कार से घूमते हुए हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने चोरी करना स्वीकार करते हुए बताया कि उन्होंने चोरी किया गया पंप स्टार्टर ग्राम चुंदा पाठ निवासी उदय नाथ यादव को 4,000 में बेच दिया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी उदय नाथ यादव को गिरफ्तार कर लिया।

बस्तर के बैल बाजार में नशीली दवा बेचते महिला पकड़ाई, बरामद अल्प्राजोलम की कीमत 5 लाख

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में पुलिस ने नशीली टैबलेट के साथ एक महिला को गिरफ्तार किया है। महिला बाजार स्थल पर ही नशीली टैबलेट बेच रही थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसके पास से 5 लाख 37 हजार रुपए की नशीली टैबलेट बरामद की है। मामला जिले के बोधघाट थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, बैल बाजार क्षेत्र में जुगबाई उर्फ रीता चौधरी (57) भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली टैबलेट अल्प्राजोलम बेच रही थी। ये महिला तस्कर पहले भी जेल जा चुकी है। दरअसल, 8 जनवरी की सुबह मुखबिर से सूचना मिली थी कि जुगबाई उर्फ रीता चौधरी सब्जी के ठेले पर बैठकर अवैध नशीली टैबलेट की बिक्री के लिए ग्राहकों का इंतजार कर रही है। जानकारी की तस्दीक के लिए बस्तर पुलिस की टीम मौके

पर पहुंची और घेराबंदी कर महिला को पकड़ा।

तलाशी में उसके कब्जे से अल्प्राजोलम की 28 पत्तियां, कुल 420 टैबलेट, वजन 67.2 ग्राम, जिसकी कीमत करीब 5 लाख 37 हजार 600 रुपए है, बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(बी) के तहत अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

मोबाइल नहीं देने पर जड़ा थप्पड़, पत्नी ने लगाई फांसी

■ पति का दूसरे से अफेयर, तलाक को लेकर चल रहा था विवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में मोबाइल को लेकर हुए विवाद में पति ने पत्नी को थप्पड़ मार दिया। जिसके बाद गुस्से में पत्नी ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है।

मायके वालों का आरोप है कि दामाद का शादी से पहले किसी दूसरी महिला के साथ अफेयर था। शादी के बाद उसकी गर्लफ्रेंड दामाद पर महिला से तलाक लेने का दबाव बना रही थी। इसी बात को लेकर उसकी हमारी बेटी के साथ अक्सर झगड़ा होता था। उन्होंने इंसाफ की मांग करते हुए दामाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

यह मामला बाकी मोगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत सेंदरीदफाई का है। जानकारी के अनुसार, जांजगीर-चांपा जिले के जांजगीर निवासी 26 साल की रानी रत्नाकर की शादी चार साल पहले सिवनी के दयाल रत्नाकर (27) से हुई थी। शादी के बाद दोनों पति-पत्नी कोरबा जिले के बाकी मोगरा थाना क्षेत्र के सेंदरीदफाई इलाके में रह रहे थे। दोनों का एक ढाई साल की बेटी और चार महीने का बच्चा भी है। दयाल रत्नाकर गैरेज में काम करता है।

पुलिस के अनुसार, दयाल का शादी से पहले उसका किसी दूसरे महिला के साथ अफेयर था। लेकिन शादी के बाद भी दयाल और उसके गर्लफ्रेंड के साथ अफेयर जारी रहा। दोनों के बीच लगातार बातचीत होती थी। वहीं, दयाल के घर में एक ही मोबाइल था। मोबाइल से दयाल की पत्नी रानी को पति के अफेयर की जानकारी हो गई थी। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद होता रहता था। बुधवार को मोबाइल को लेकर दोनों के बीच फिर से विवाद हुआ। रानी ने मोबाइल अपने पास रखा था, जिसे दयाल ने मांगा। रानी के मना करने पर दयाल ने उसे दो थप्पड़ जड़ दिए। इस घटना से नाराज होकर रानी ने खुद को कमरे में बंद कर लिया, जबकि दयाल घर से चला गया। कुछ देर बाद जब दयाल घर लौटा, तो उसने रानी को कमरे के अंदर लोहे के एंगल में फांसी के फंदे पर लटका पाया। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

निर्माणाधीन भवन का छज्जा गिरने से छात्र की मौत

■ बलरामपुर में स्कूल परिसर में बन रही आंगनबाड़ी, पेशाब करते समय हादसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में गुरुवार को निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन का छज्जा गिरने से छठवीं के छात्र की मौत हो गई। मध्यान्ह भोजन के दौरान छात्र स्कूल परिसर स्थित निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन के पास पेशाब करने गया था, तभी उस पर छज्जा गिर गया।

यह घटना वाड्रफनगर थाना क्षेत्र की है। मृतक की पहचान आलोक कुमार देवांगन (12 वर्ष) के रूप में हुई है, जो शारदापुर गांव का रहने वाला था। स्कूल परिसर में आंगनबाड़ी भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। इस मामले में जनपद सीईओ निजामुद्दीन खान ने कहा कि छज्जा गिरने से बच्चे की मौत हुई है। मामले की जांच की जाएगी। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल, आलोक माध्यमिक शाला खुटहन में पढ़ता था। उसके पिता रमेश देवांगन मजदूरी करते हैं। गुरुवार को आलोक स्कूल गया था। मध्यान्ह भोजन के बाद वह अपने दोस्तों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान कुछ छात्र खेलते-खेलते स्कूल परिसर में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन के पास पहुंच गए। उनके पीछे-पीछे आलोक भी वहां चला गया। इसी दौरान उसे पेशाब लगी और वह छज्जे के नीचे खड़ा होकर पेशाब करने लगा। तभी अचानक निर्माणाधीन भवन का छज्जा भरभराकर गिर पड़ा, जिसकी चपेट में आकर आलोक दब गया। आलोक की आवाज सुनकर टीचर मौके पर पहुंचे। हादसे बाद छात्र को अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने छज्जा हटाया और आलोक को फौरन पास के अस्पताल ले गए। जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही वाड्रफनगर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया।

तेज रफ्तार वाहन चालकों पर कार्रवाई, ट्रैफिक विभाग ने 20 हजार का लगाया जुर्माना

पत्थलगांव। पत्थलगांव की सड़कों पर मॉडिफाइड साइलेंसर से पटाखों जैसी तेज आवाज निकालकर दहशत फैलाने वाले मनचले बाइक सवारों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया और चार लापरवाह बाइक चालकों पर कड़ी कार्रवाई की। इस दौरान न केवल मोटर व्हीकल एक्ट के तहत भारी जुर्माना लगाया गया, बल्कि मौके पर ही अनुशासन का सबक भी सिखाया गया। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में इन चारों बाइक सवारों पर विभिन्न धाराओं के तहत कुल 20 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसके साथ ही उन्हें थाने लाकर परिसर में कान पकड़कर उठक-बैठक भी कराई गई।

सड़क किनारे खड़े भाइयों को वाहन ने मारी टक्कर, 1 मौत, छोटा भाई घायल

बस्तर पुलिस ने चार पहिया वाहन किया जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में एक तेज रफ्तार वाहन ने सड़क के किनारे खड़े दो भाइयों को टक्कर मार दी। 8 जनवरी की रात हुए इस हादसे में बड़े भाई की मौत हो गई है, जबकि छोटा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया है।

घायल युवक को डिमरापाल मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है। मामला कोड़ेनार थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, पटेलपारा का रहने वाला चंदरू पोयाम और उसका भाई संतु पोयाम बाइक से रायकोट जा रहे थे। इसी बीच वे रायकोट के नजदीक ही एक कच्ची सड़क के किनारे खड़े हो गए थे। वहीं सामने से आई एक तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार दोनों युवकों को जोर की टक्कर मार दी। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों युवक काफी दूर तक फेंका गए। वहीं एक युवक चंदरू पोयम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि इसका छोटा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। हादसे के बाद आस-पास में मौजूद लोगों ने पुलिस को हादसे की सूचना दी। जिसके बाद पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कपड़ा कारोबारी से 46 लाख की ठगी : बिजनेस पार्टनर बनाने पैसे लिए, घर बेचकर भागे आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक कपड़ा कारोबारी से 46 लाख की ठगी हुई है। मामला काफी पुराना है। ठगों ने व्यापारी राजेश तलरेजा को ट्रांसपोर्ट कारोबार में पार्टनर बनाने का झांसा दिया और अलग-अलग 21 किश्तों में पैसे ले लिए, फिर अपना घर बेचकर खुद फरार हो गए।

मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, ठगों ने तीन साल में 96 लाख रकम ली थी, इसमें 50 लाख लौटा दिया था, बाकी के पैसे नहीं लौटाए थे। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, इसमें 2 महिला ठग भी शामिल है।

रायपुर निवासी कपड़ा कारोबारी राजेश तलरेजा ने सिविल लाइन थाना पहुंचकर पूरे मामले की शिकायत की। कारोबारी ने पुलिस को बताया कि बलवीर सिंग सेंस, शबनम खान और

नवनीत कौर ने ट्रांसपोर्ट कारोबार में साझेदार बनाने का झांसा देकर 2001 से 2004 तक के बीच में 96 लाख 33 हजार रुपए लिए। आरोपियों ने पार्टनर नहीं बनाया और पैसे वापस करने के नाम पर 50 लाख 7 हजार रुपए ट्रांसफर किए। पीड़ित कारोबारी राजेश तलरेजा ने अपना बचा हुआ 46 लाख रुपए मांगा तो आरोपी घर बेचकर रायपुर से फरार हो गए। कपड़ा कारोबारी ने आरोपियों के फरार होने की शिकायत थाने में की। तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पुलिस की जांच में सामने आया है कि ठगों ने कारोबारी से 21 किश्तों में पैसे लिए। पैसे वापस लेने के लिए कारोबारी ने कई चक्कर लगाए लेकिन ठग अपना घर बेचकर फरार हो गए है। पीड़ित कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। सिविल लाइन थाना प्रभारी ने बताया, कि पीड़ित राजेश तलरेजा की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज करके विवेचना की जा रही है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)
दूरभाष 0788-2210876

दुर्ग, दिनांक 02.01.2026

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(द्वितीय आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र 'अ' में प्रतिशत दर पर **दिनांक 16.01.2026** तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क्र. / सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
324/183033	लोक निर्माण विभाग क्र. 02 बालोद के अंतर्गत विश्राम गृह डौण्डी में आहता का निर्माण कार्य	18.01
325/183034	लोक निर्माण विभाग क्रं. 01 बालोद के अंतर्गत जिला बालोद के संजारी बालोद में 01 नग गैरक (50 बंदी क्षमता भूतल + 50 बंदी क्षमता प्रथम तल) का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित	116.54
326/183037	उपसंभाग क्र. 02 राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न समय-समय पर स्वीकृत मार्गों में विशेष मरम्मत कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	145.24

टीप
1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट **http://eproc.cgstate.gov.in** से डाऊनलोड की जा सकती है।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

जी-252605887/7

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग

खास खबर

रेत निकालने का पट्टा आबंटन हेतु ई-नीलामी की सूचना

कोरबा। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला कोरबा (छत्तीसगढ़) द्वारा छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम, 2025 के नियम-7 के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक-नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) के माध्यम से द्वितीय चरण में ग्राम कछार, ग्राम पंचायत चोरभट्ठी, तहसील करतला, जिला कोरबा की रेत खदान का उत्खनन पट्टा आबंटन किया जाना प्रस्तावित है। इस नीलामी प्रक्रिया में अर्हता प्राप्त इच्छुक बोलीदाता भाग ले सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक-नीलामी के लिए बोली प्रारंभ करने की तिथि 29 जनवरी 2026 सुबह 10 बजे निर्धारित है तथा बोली की अंतिम तिथि 4 फरवरी 2026 शाम 5 बजे तक होगी।

पुनर्वास ग्रामों एवं सड़कों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने एसईसीएल कुसमुंडा अंतर्गत खदान हेतु अधिग्रहित ग्राम खोडरी और पोड़ी के पुनर्वास ग्राम खम्हरिया तथा जटराज में बसाहट के लिए की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने पुनर्वास ग्रामों को मॉडल पुनर्वास ग्राम के रूप में विकसित करने के निर्देश देते हुए गुणवत्तापूर्ण सड़क, नाली तथा अन्य आवश्यक निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के लिए कहा। कलेक्टर ने सर्वमंगला से इमलीछापर तक सड़क निर्माण कार्य का भी अवलोकन किया और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम भिलाईखुर्द तरदा में प्रस्तावित नवीन पुल के स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसआईआर पर राजनैतिक दलों से चर्चा दावा-आपत्ति सूची सौंपी गई

बीजापुर। निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रारंभिक प्रकाशन उपरांत द्वितीय सप्ताह में प्राप्त दावा-आपत्तियों के संबंध में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय राजनैतिक दलों की बैठक मंगलवार को कलेक्टर परिसर स्थित सभागृह में आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की अब तक की प्रगति तथा समस्त गतिविधियों की विस्तृत जानकारी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी गई। इस दौरान द्वितीय सप्ताह में प्राप्त दावा-आपत्तियों की सूची फॉर्म क्रमांक 9, 10, 11, 11ए एवं 11बी में सभी उपस्थित दलों को प्रदाय की गई तथा उसकी विधिवत पावती ली गई।

बोर्ड परीक्षा की तैयारी हेतु मार्गदर्शन कार्यशाला आयोजित

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार विकासखंड माकड़ी, जिला कोण्डागांव अंतर्गत पीएम आत्मानंद उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय श्यामपुर एवं माकड़ी में कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी को सुदृढ़ करने हेतु एक मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान ब्लॉक फेलो संतोष कुमार सितारे द्वारा विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा की प्रभावी तैयारी के लिए विषयवार अध्ययन रणनीति, समय प्रबंधन, उत्तर लेखन कौशल, परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन तथा पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों के अभ्यास से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, आत्मविश्वास एवं लक्ष्य निर्धारण के महत्व के प्रति भी प्रेरित किया गया। उक्त कार्यशालाओं का आयोजन संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसमें विद्यालय के शिक्षकगणों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासाओं एवं शंकाओं का समाधान प्राप्त किया तथा इस पहल को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया। इस प्रकार की कार्यशालाएँ विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर को सुदृढ़ करने तथा बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे तैयारी में मदद मिलती है।

मनरेगा से बदली बंजर भूमि की तकदीर, तमनार में हरियाली बनी ग्रामीण आजीविका का सहारा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अब केवल मजदूरी तक सीमित नहीं रही, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर आजीविका का मजबूत माध्यम बनती जा रही है। रायगढ़ जिले के तमनार विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बिजना में मनरेगा के तहत किए गए वृक्षारोपण कार्य ने बंजर भूमि को हरियाली में बदलते हुए ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव की नई कहानी लिखी है।

इस योजना के तहत स्वीकृत इस परियोजना का उद्देश्य ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराना, पर्यावरण संतुलन को मजबूत करना और आय के स्थायी साधन विकसित करना था। परियोजना के अंतर्गत स्व-सहायता समूह से जुड़ी हितग्राही कस्तूरी/छडानन द्वारा वृक्षारोपण कार्य का सफल क्रियान्वयन किया गया। कुल 1.70 लाख रुपए की लागत से (मजदूरी मद 1.18 लाख एवं सामग्री मद 0.52 लाख) यह कार्य 31 जुलाई 2020 को प्रारंभ होकर 31 अगस्त 2022 को पूर्ण हुआ। इस

दौरान 707 मानव दिवस का सृजन हुआ, जिससे गांव के कई अकुशल श्रमिकों को निरंतर रोजगार मिला। लगातार तीन वर्षों से इस योजना के तहत मेंटेनेंस किया गया।

औद्योगिक क्षेत्र होने के बावजूद ग्राम पंचायत बिजना में इस पहल से न केवल बंजर भूमि का कायाकल्प हुआ, बल्कि हरियाली बढ़ने के साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी ठोस कदम उठाया गया। कभी अनुपयोगी पड़ी भूमि पर अब लगाए गए पौधे गांव की पहचान बनते जा रहे हैं और ग्रामीणों में प्रकृति के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है। कस्तूरी ने स्व-सहायता समूह के माध्यम से न केवल वृक्षारोपण में सक्रिय सहभागिता निभाई, बल्कि अन्य ग्रामीणों को भी इसके लाभों से अवगत कराया। मनरेगा की जानकारी मिलने पर उन्होंने सरपंच, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक से संपर्क किया, जिसके बाद जनपद पंचायत तमनार के अधिकारियों के सहयोग से कार्य सुचारू रूप से संपन्न हुआ। लगभग 200 पौधे रोपने एवं संरक्षण तकनीकी से भविष्य में आय के स्थायी साधन विकसित होने की उम्मीद जागी है।

विष्णु ने जनदर्शन में पोंछे दिव्यांगों के आंसू

पालक की भूमिका में नजर आए प्रदेश के सीएम : किसी ने मांगी ट्राइसायकल तो किसी ने दुकान के लिए मांगी मदद, दिल खोलकर सबको दिया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजनों की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ त्वरित समाधान किया। इस अवसर पर वे एक पालक की भूमिका में नजर आए। उन्होंने न केवल दिव्यांगों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना बल्कि उन्हें यथासंभव सहयोग भी प्रदान किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 'जनदर्शन' के माध्यम से अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति की पीड़ा सुनते हुए न केवल उसकी समस्या को समझ रहे हैं, बल्कि मौके पर ही समाधान सुनिश्चित कर रहे हैं। लोगों की जरूरतों, मांगों और तकलीफों के प्रति यह संवेदनशील और त्वरित दृष्टिकोण यह स्पष्ट करता है कि संवेदनशीलता ही सुशासन के केंद्र में है। जब जन आकांक्षाओं को मुख्यमंत्री की सहृदयता से दिशा मिलती है, तब अंत्योदय की संकल्पना साकार होती है।

शासकीय निवास कार्यालय में आयोजित जनदर्शन आज सेवा, संवेदना और समाधान का सजीव उदाहरण बन गया। कुल 1950 आवेदन प्राप्त हुए। श्री साय ने प्रदेश के दूर-दराज अंचलों से आए नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही स्पष्ट निर्देश दिए। कई जरूरतमंदों के लिए तत्काल आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई, जिससे यह संदेश और मजबूत हुआ कि जन सरोकारों से जुड़ी समस्याओं का समाधान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जनदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चलने में असमर्थ रायपुर शंकर नगर से बिन्दु बीरे उम्र 45 वर्ष को बेट्री चालित ट्रायसायकल प्रदान किया। कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण वे ट्रायसायकल नहीं खरीद पा रही थी। उनकी समस्या सुनते ही मुख्यमंत्री ने तत्काल बेट्री चालित ट्रायसायकल उपलब्ध कराया।

तीन दिव्यांगों को 20-20 हजार रुपए की तात्कालिक सहायता

मुख्यमंत्री श्री साय ने सूरज नगर लाभांडी निवासी 17 वर्षीय दिव्यांग राज शर्मा को दोनों पैरों से दिव्यांग होने के कारण 20 हजार रुपए की तात्कालिक आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया। इसके साथ ही श्री फूल गिरी गोस्वामी को पुत्री के विवाह हेतु 20 हजार रुपए की सहायता राशि दी गई। रायगढ़ निवासी दोनों पैरों से दिव्यांग ओमप्रकाश निषाद को उच्च शिक्षा के लिए भी मुख्यमंत्री द्वारा 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता तत्काल स्वीकृत की गई। श्री साय ने कहा कि यह केवल आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि आम जनता के प्रति सरकार की जवाबदेही का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी जरूरतमंद नागरिक को अनावश्यक भटकना न पड़े।

रायपुर के खमतराई निवासी जीवन दास मानिकपुरी और आरंग के भारत साहू को मुख्यमंत्री ने बैटरीचलित ट्राइसिकल प्रदान की। अब उन्हें किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। रायपुर के चंदू यादव और सुमन साहू को ट्राइसिकल एवं व्हीलचेयर प्रदान की गई। वहीं, सागर नायक और उमेश पटेल को श्रवण यंत्र उपलब्ध कराए गए।

बसंती को इलाज के लिए मिली 5 लाख रुपए की सहायता

जनदर्शन में महासमुंद जिले के ग्राम बड़ेटेमरी की श्रीमती बसंती साव की बड़ी उम्मीद आज पूरी हुई। पैरों से लकवाग्रस्त बसंती ने अपने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता और पारिवारिक स्थिति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री श्री साय ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अधिकारियों को तत्काल निर्देशित कर मुख्यमंत्री आर्थिक सहायता योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपए की राशि स्वीकृत कराई। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी बसंती को शासन से 75 हजार रुपए की सहायता मिल चुकी है। इस त्वरित निर्णय से बसंती और उनके परिवार को बड़ी राहत मिली।

60 वर्षीय हनुमंत राव को मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ

रायपुर के तात्यापारा निवासी 60 वर्षीय अविवाहित श्रमिक हनुमंत राव की समस्या का भी मौके पर ही समाधान हुआ। माता-पिता के निधन के बाद राशन कार्ड की पात्रता को लेकर परेशान श्री राव ने मुख्यमंत्री को अपनी व्यथा बताई। मुख्यमंत्री ने उनकी बात ध्यानपूर्वक सुनी और तत्काल राशन कार्ड बनाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जनदर्शन में समस्याओं के त्वरित निदान से उत्साहित दिव्यांगजनों ने कहा कि पहले वे खुद को लाचार पाते थे पर अब वे एक बार फिर से खुद को सनाथ महसूस कर रहे हैं। उन्हें यकीन है कि जब भी जरूरत पड़ेगी, मुख्यमंत्री मदद करेंगे।

दिव्यांग तीरंदाजी खिलाड़ी की मदद

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जनदर्शन कार्यक्रम में आर्चरी के दिव्यांग खिलाड़ी होरीलाल यादव और लक्की सोनी ने मुलाकात की। श्री यादव और श्री सोनी ने बताया कि वे दिव्यांग तीरंदाजी के नेशनल खिलाड़ी हैं और आगामी फरवरी महीने में पटियाला में पुनः तीरंदाजी नेशनल में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय को दोनों खिलाड़ियों ने बताया कि वे आर्चरी की इंटरनेशनल स्पर्धाओं में भी अपने टैलेंट का प्रदर्शन करना चाहते हैं, इसके लिए उन्हें उच्च स्तरीय खेल उपकरण की जरूरत होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने तीरंदाजों को खेल की सभी सुविधाएं प्रदान करने आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार सभी खेलों को बढ़ावा दे रही है। अपने खेल हुनर को तराशें और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करें।

खिल गया जीवन, सुमन और चंदू के भी चेहरा

खमतराई रायपुर निवासी जीवन दास मानिकपुरी ने बताया कि उनका पैर बचपन से पोलियोग्रस्त है। उन्हें बैटरी ट्राइसिकल प्रदान की गई। श्री दास ने बताया कि जनदर्शन में उनकी समस्या का तत्काल समाधान हुआ। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहायता से उनकी दैनिक दिनचर्या आसान हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने रायपुर के मोवा निवासी चंदू यादव को ट्राइसिकल और सुमन साहू को व्हीलचेयर प्रदान किया। जिसे पाकर दोनों के चेहरे खिल गए। रायपुर के सागर नायक एवं उमेश पटेल को श्रवण यंत्र भी प्रदान किए गए। कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण वे श्रवण यंत्र नहीं खरीद पा रहे थे।

दोनों पैरों से दिव्यांग राज को दिया चेक

जनदर्शन के दौरान सूरज नगर लभांडी निवासी दिव्यांग 17 वर्षीय राज शर्मा को 20 हजार रूपए का चेक देकर तत्कालीक सहायता प्रदान की। राज शर्मा के माता विभा ने इसके लिए मुख्यमंत्री श्री साय का हृदय से आभार व्यक्त किया। विभा डेली नीड्स की दुकान खोलने के लिए सहायता मांग थी। श्री साय ने 20 हजार रूपए की तत्कालिक सहायता प्रदान की।

इसी प्रकार रायगढ़ निवासी दोनों पैर से दिव्यांग ओमप्रकाश निषाद ने उच्च शिक्षा हेतु मुख्यमंत्री से मिलकर आर्थिक सहायता के लिए निवेदन किया था, जिस पर मुख्यमंत्री त्वरित निर्णय लेते हुए 20 हजार रूपए का आर्थिक सहायता प्रदान की। दिव्यांग ओमप्रकाश निषाद ने इसके लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के ट्रायल में जुटे एक हजार खिलाड़ी, दिखा रहे जौहर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा अगले महीने आयोजित किए जाने वाले खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स के लिए छत्तीसगढ़ की टीम के चयन के लिए तीन दिनों तक चले ट्रायल में प्रदेशभर के एक हजार से अधिक जनजातीय खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। नेशनल ट्राइबल गेम्स में शामिल सात खेलों के लिए खिलाड़ियों के चयन के लिए 6 जनवरी से 8 जनवरी तक रायपुर और बिलासपुर में ट्रायल हुए।

रायपुर के स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा में कुश्ती, फुटबॉल और वेट-लिफ्टिंग के लिए राज्य स्तरीय चयन ट्रायल का आयोजन किया गया था। वहीं सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में हॉकी के ट्रायल हुए। बिलासपुर के राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र बहतराई में तीरंदाजी और एथलेटिक्स तथा सरकंडा स्थित जिला खेल परिसर में

तैराकी खिलाड़ियों के चयन के लिए ट्रायल हुए। राज्य के अनुसूचित जनजाति वर्ग के खिलाड़ियों ने दोनों शहरों में आयोजित चयन ट्रायल में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

रायपुर में संपन्न चार खेलों के चयन ट्रायल में कुल 558 खिलाड़ियों ने भागीदारी की। इनमें 355 पुरुष और 203 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। बालोद जिले के 55, बस्तर के 31, बीजापुर के 9, गरियाबंद के 6, जांजगीर-चांपा के 3, जशपुर के 92, कबीरधाम के 36, कांकेर के 51, कोंडागांव के 23, कोरबा 9, महासमुंद के 14, रायगढ़ के 21, राजनांदगांव के 16, सरगुजा के 23, सुकमा के 31, धमतरी के 13, दुर्ग के 11, बेमेतरा के 4, बिलासपुर के 8, दंतेवाड़ा के 19, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के 6, रायपुर के 12, बलौदाबाजार-भाटापारा के 4, बलरामपुर-रामानुजगंज के 12, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के 4, कोरिया के 4, नारायणपुर के 27, सक्ती के 4 तथा सूरजपुर के 10 खिलाड़ियों ने चयन ट्रायल में भाग लिया।

रायपुर में हॉकी में 148, कुश्ती में 37, वेट-लिफ्टिंग में 40 तथा फुटबॉल में 333 खिलाड़ी ट्रायल में शामिल हुए। वहीं बिलासपुर में तीन खेलों में 470 खिलाड़ियों ने राज्य की टीम में चयन के लिए दावेदारी की। ट्रायल में विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी, अजजा विकास विभाग तथा खेल एवं युवा कल्याण के अधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी दी।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए जन-जागरूकता कार्यक्रम

रायपुर। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुक्रम में मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक छत्तीसगढ़ शासन के मार्गदर्शन में अंतर्विभागीय लीड एजेंसी सड़क सुरक्षा द्वारा पूरे प्रदेश में सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत प्रतिदिन जन-जागरूकता संबंधी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं परिवहन मंत्री केदार कश्यप की ओर से लीड एजेंसी द्वारा जन जागरूकता संबंधी तैयार पोस्टर एवं फ्लैक्स जारी किया गया। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रदेश के समस्त सरपंचों एवं पंचगणों को पंचायत अंतर्गत सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु आवश्यक पहल करने के लिए एक अपील जारी की है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950